हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दिल्ली एक दशक की 'आप दा' से मुक्त हुई : मोदी

भाजपा के दोनों पूर्व सीएम के बेटे चुनाव जीत गए हैं

कांग्रेस के 70 में से 67 की जमानत जब्त, बस 3 बचा पाए लाज

विस चुनाव	70 सीटें
बहुमत	36 सीटें
भाजपा	48
आप	22
कांग्रेस	00

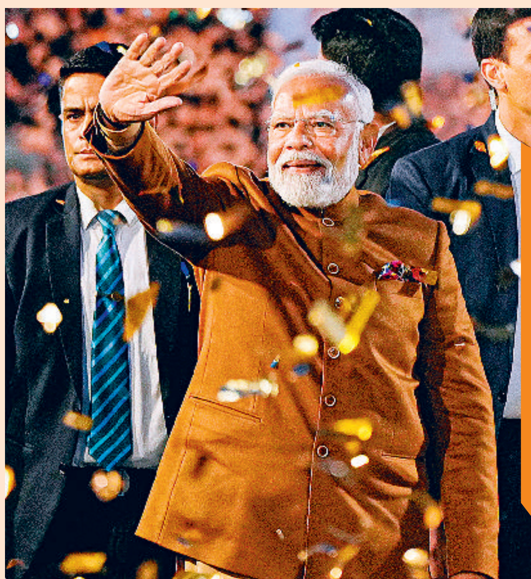

इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

- इस जनादेश से स्पष्ट है कि आज दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत
- आडंबर, अराजकता, अहंकार तथा दिल्ली पर छाई 'आप-दा' की हार हुई है।
- आज की ये विजय ऐतिहासिक है। दिल्ली के लोगों ने आप-दा को बाहर कर दिया है।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में, दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और एक सुकून भी है।
- उत्साह विजय का है और सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है।
- दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है।
- जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया।
- राजनीति में शॉर्टकट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है।

केंद्र की सत्ताधारी भाजपा ने अब देश की राजधानी दिल्ली पर भी कब्जा जमा लिया। करीब 27 साल बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की। विस की 70 सीटों में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत हासिल की, वहीं आप सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को तीसरी बार भी एक भी सीट नहीं मिली।

केजरी और आप दिल्ली में 'साफ'

2020 में भाजपा ने महज 8 सीटें जीती थीं। 2025 में 48 सीटें जीती

केजरीवाल की नई दिल्ली सीट पर 20 की जमानत जब्त

भाजपा के लिए धड़का | 27 साल बाद शानदार वापसी

दिल्ली का 'दिल'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता से बाहर कर 27 साल बाद धमाकेदार वापसी की। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्री सौरभ भारद्वाज सहित सत्तारूढ़ दल के कई अन्य प्रमुख नेता चुनाव हार गए हालांकि, मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना कालकाजी सीट से जीत गई। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा दिल्ली की 70 में से 48 सीट जीत गई। आप 22 सीट पर सिमट गई। एक बार फिर कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी में अपना खाता नहीं खोल पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'प्रचंड जनादेश' बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को 'आप-दा' मुक्त करने का काम किया है। भाजपा की सरकार बनना सुनिश्चित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के दावेदारों को लेकर भी कयासों का दौर शुरू हो गया।

कांग्रेस जीरो, लेकिन 14 सीटों पर आप को हरवाया

1993 में भाजपा, कांग्रेस ने किया था 15 साल राज

दिल्ली में भाजपा ने 1993 में 49 सीटें यानी दो तिहाई बहुमत हासिल किया था। 5 साल की सरकार में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज सीएम बनाए गए थे। 1998 के बाद कांग्रेस ने 15 साल राज किया। इसके बाद 2013 से आम आदमी पार्टी की सरकार थी।

क्यों जीती भाजपा, आप क्यों हार गई

- भाजपा ने इस चुनाव को पीएम मोदी बनाम केजरीवाल बनाया। प्रधानमंत्री ने अपने नाम पर वोट मांगे।
- केजरीवाल शराब नीति केस में कुल 177 दिन जेल में रहे। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया।
- केजरीवाल के सरकारी बंगले के रेनोवेशन पर 45 करोड़ रुपए खर्च किए जाने को भाजपा ने मुद्दा बनाया।
- भाजपा महिलाओं और 60-70 साल के बुजुर्गों को हर महीने 2500 रुपए देने का ऐलान किया।
- भाजपा ने 68 उम्मीदवार उतारे। भाजपा ने पिछले चुनाव वाले 46 प्रत्याशी बदल दिए।

जनता ने दिया जवाब

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में भ्रष्टाचार, कुशासन और अराजकता की सभी सीमाएं पार करने वाली 'आप-दा' सरकार को जनता ने करारा जवाब दिया। भाजपा का प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के कुशल मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत की ▶▶ शेष पेज 5 पर

अकलतरा का मिथक बरकरार केजरीवाल की कुर्सी भी गई

अकलतरा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हार के बाद अकलतरा आने वाले मुख्यमंत्री को अपने पद से हाथ धोना पड़ता है, यह मिथक अब भी बरकरार है। दरअसल अकलतरा शहर में अभी तक जो भी मुख्यमंत्री आए है, ▶▶ शेष पेज 5 पर

प्रवेश वर्मा, भाजपा

दिग्गज जीते

तरविंदर सिंह मारवाह-भाजपा | आतिशी मार्लेना आप | शिखा राय भाजपा | गोपाल राय आप

दिग्गज हारे

अरविंद केजरीवाल आप | मनीष सिसोदिया आप | रमेश बिधूड़ी भाजपा | सौरभ भारद्वाज आप

केजरीवाल को हराकर प्रवेश वर्मा ने किया बड़ा उलटफेर

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली सीट से हराकर भाजपा के प्रवेश वर्मा दिल्ली की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया। वर्मा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कड़े मुकाबले में 4,089 मतों के अंतर से हराया। वर्मा को 30,088 वोट मिले, जबकि केजरीवाल को 25,999 और कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित को 4,568 वोट मिले। पश्चिमी दिल्ली से दो बार सांसद रहे प्रवेश वर्मा ने भाजपा द्वारा उनकी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा से पहले ही नयी दिल्ली सीट पर जोरदार प्रचार अभियान शुरू कर दिया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

जीत की खुशी...

दिल्ली विधानसभा चुनाव के शनिवार को नतीजे आए। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। भाजपा की एकतरफा जीत हुई। जीत के मौके पर देशभर के विभिन्न शहरों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। राजधानी दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विक्ट्री साइन बनाकर खुशी का इजहार करते हुए।

अयोध्या हार का बदला, भाजपा ने सपा से मिल्कीपुर छीना

अयोध्या। अयोध्या हार का बदला भाजपा ने मिल्कीपुर जीत कर ले लिया। 8 साल बाद सपा से यूपी की मिल्कीपुर विधानसभा छीन ली। भाजपा ने मिल्कीपुर में इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी चंदभानु पासवान ने सपा के अजीत प्रसाद को 61 हजार 636 वोट से हराया। इससे पहले सपा से अवधेश प्रसाद साल 2012 में 39,237 वोट से जीते थे। अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर रिजल्ट पर कहा- ये भाजपा की झूठी जीत है। जिसका जश्न भाजपाई आंखों-में-आंखें डालकर नहीं मना पाएंगे। जिन अफसरों ने घपलेबाजी की, वो सजा पाएंगे। न कुदरत उन्हें बख्शेगी, न कानून।

- पासवान की 61 हजार वोट की सबसे बड़ी जीत

अपने बूथ पर ही हारे सांसद अवधेश के बेटे

उपचुनाव में चंद्रभानु पासवान को 1 लाख 46 हजार 291 और अजीत प्रसाद को 84 हजार 655 वोट मिले। बाकी सभी 8 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। अयोध्या सांसद के बेटे होने के बावजूद अजीत प्रसाद अपने ही बूथ से हार गए। लोकसभा चुनाव में मिल्कीपुर विधानसभा में भाजपा को सपा से 7 हजार वोट कम मिले थे। 8 महीने में ही भाजपा ने बाजी पलट दी। तीसरे नंबर पर आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी सूरज चौधरी रहे। उन्हें 5 हजार 457 वोट मिले। मिल्कीपुर में भाजपा पहले राउंड से ही बढ़त बनाए हुए थी। वह आखिर तक जारी रही। एक बार भी सपा आगे नहीं निकल पाई।

7

राजधानी दिल्ली में खिला है भाजपा का कमल

कौन बनेगा मुख्यमंत्री... प्रवेश, विजेंद्र, सतीश रेस में चल रहे हैं सबसे आगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाए तो बीजेपी में सीएम पद के कई दावेदार हैं। सीएम चेहरे का चुनाव करते समय बीजेपी जातिगत और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश करेगी।

- आप पार्टी को मिली है करारी शिकस्त

सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री का चुनाव विधायकों में से ही होने की संभावना है। सीएम की रेस में सबसे पहला नाम प्रवेश वर्मा का है। उन्होंने नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल को हराया है।

प्रवेश वर्मा

प्रवेश वर्मा के पास राजनीतिक अनुभव भी है और इससे पहले वह दो बार सांसद रह चुके हैं।बाहरी दिल्ली से होने के बावजूद प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली में अपनी ताकत दिखाई। वे पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं। वर्मा केवल दिल्ली के प्रमुख युवा चेहरों में ही शामिल नहीं हैं, बल्कि जाट सीएम बनाने से ग्रामीण दिल्ली, पश्चिमी यूपी, हरियाणा और राजस्थान के जाट वोटरों में संदेश जाएगा. वोटिंग और जीत के बाद उन्होंने अमित शाह से मुलाकात की।

विजेंद्र गुप्ता

बीजेपी का वैश्य चेहरा विजेंद्र गुप्ता दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं। आप की लहर के बावजूद उन्होंने पिछले दोनों विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। 2015 में जब दिल्ली विधानसभा में केवल 3 विधायक थे तो उनमें से एक विजेंद्र गुप्ता थे। इसके बाद 2020 के विधानसभा चुनावों में भी उन्होंने अपनी सीट बचाए रखी. वह दो बार दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं।

जितेंद्र महाजन

रोहतास नगर से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते जितेंद्र महाजन आरएसएस के करीबी हैं और वैश्य समुदाय से आते हैं। उन्होंने इस बार भी आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार सरिता सिंह को बड़े मतों के अंतर से शिकस्त दी। वह डार्क हॉर्स साबित हो सकते हैं।

सतीश उपाध्याय

सतीश उपाध्याय बीजेपी का ब्राह्मण चेहरा हैं। वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वह दिल्ली युवा मोर्चा के अध्यक्ष, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष रहे हैं। प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ वह संगठन में भी कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उपाध्याय मध्य प्रदेश के सह प्रभारी रहे हैं और संघ में भी उनकी गहरी पकड़ है।

आशीष सूद

आशीष सूद भाजपा का पंजाबी चेहरा हैं। जनकपुरी से विधायक चुने गए सूद पार्षद भी रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली भाजपा के महासचिव रहे और वर्तमान में गोवा के प्रभारी और जम्मू-कश्मीर के सह प्रभारी हैं। केंद्रीय नेताओं से उनके करीबी रिश्ते हैं। डीयू के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

संदीप ने लिया केजरीवाल से मां की हार का बदला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हार ने सबको चौंका दिया है। त्रिकोणीय संघर्ष में उन्हें भाजपा से प्रवेश वर्मा से हार मिली है। तीसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के संदीप दीक्षित रहे हैं। लेकिन कहा जा रहा है, केजरी को प्रवेश ने नहीं बल्कि संदीप ने हराया है। और इस तरह संदीप ने अपनी मां (पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित) की हार का बदला ले लिया है। दरअसल, इस नई दिल्ली सीट का मजेदार फैक्ट यह है कि इस सीट पर अरविंद केजरीवाल जितने वाटों से हारे हैं लगभग उतना ही वोट संदीप दीक्षित को मिला है। इस तरह से संदीप दीक्षित ने अरविंद केजरीवाल से अपना एक पुराना हिसाब बराबर कर लिया है। नई दिल्ली के इस नतीजे के साथ ही संदीप दीक्षित ने 2013 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल द्वारा शीला दीक्षित को हराने का बदला ले लिया है। इस सीट पर विजयी रहे बीजेपी के प्रवेश सिंह वर्मा ने अरविंद केजरीवाल को 4089 वोटों से हराया। तीसरे नंबर पर रहे संदीप दीक्षित को कुल 4568 वोट मिले। इस तरह से केजरीवाल बीजेपी के प्रवेश वर्मा से उतने ही वोटों से हारे जितने वोट लगभग संदीप दीक्षित को मिले।

टॉप थ्री उम्मीदवार	कुल वोट	मार्जिन
प्रवेश वर्मा (भाजपा)	30088	+4089
अरविंद केजरीवाल (आप)	25999	-4089
संदीप दीक्षित (कांग्रेस)	4568	-25520

सत्येंद्र को हराने वाले सबसे अमीर करनैल हैं 10वीं पास

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की एकतरफा जीत हुई है। इन सबके बीच चर्चा हो रही है दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सबसे अमीर उम्मीदवार करनैल सिंह की। भाजपा नेता करनैल सिंह ने 18863 वोटों से शकूर बस्ती विधानसभा से जीत दर्ज की है। इन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) के सत्येंद्र जैन को हराया है। दिल्ली में भाजपा के करनैल सिंह सबसे अमीर विधायक हैं। इनके पास काफी संपत्ति है। इनके अमेरिका में भी 4 घर हैं। इसके अलावा लाखों रुपये की ज्वैलरी भी है। माई नेता डॉट कॉम के मुताबिक, ये सिर्फ 10वीं पास हैं। भाजपा के करनैल सिंह ने 18863 वोट से जीत दर्ज की है। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, भाजपा उम्मीदवार करनैल सिंह ने 259.67 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई थी। भाजपा के इस विधायक के पास 258 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। हरियाणा में 60 करोड़ रुपये का तो फार्म हाउस है। इसके अलावा, इनके पास 55 लाख की सोनीपत में दुकान है। अमेरिका के वाशिंगटन और कैर्लिफोनिया से लेकर हरियाणा के सोनीपत में 198 करोड़ रुपये का घर है।

दूसरे और तीसरे नंबर पर ये हैं

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, अमीर उम्मीदवारों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर राजौरी गार्डन से भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा हैं। सिरसा के पास 248.85 करोड़ रुपये की घोषित संपत्ति है। इसके बाद कृष्णा नगर से कांग्रेस के गुरचरण सिंह का नाम आता है। जिनके पास 130.90 करोड़ की संपत्ति है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

- मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा ही नहीं हरियाणा पंजाब तक से हो रही तस्करी
- हर साल 10 करोड़ रुपए की शराब पकड़ी जाती है, सैकड़ों करोड़ की खपा दी जाती

अवैध शराब का गढ़ छत्तीसगढ़... क्योंकि पड़ोसी राज्यों में 40 फीसदी तक सस्ती

भिलाई- आलोक तिवारी/राजनांदगांव-सचिन अग्रहरि की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

छत्तीसगढ़ में चुनावी सीजन है। शहरों से लेकर गांव-गांव में वोट डाले जा रहे हैं। वोटरों को लुभाने के लिए कई तरह की तिकड़म की जा रही हैं, उसमें सबसे खास है शराब बंटवाने का काम। हाल यह है कि पाटन और सिमगा समेत प्रदेशभर में कई जगह दो दिन में ही एक करोड़ से ज्यादा शराब पकड़ी जा चुकी है। सामान्य दिनों में भी जमकर शराब की तस्करी होती है। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि शराब तस्करों के लिए छत्तीसगढ़ खास बन गया है। क्योंकि... छत्तीसगढ़ में पड़ोसी राज्यों से 40 फीसदी तक शराब महंगी है। वहां से लाकर यहां खपाने में तस्करों को तगड़ा मुनाफा होता है। सूत्रों के अनुसार हर साल दस करोड़ की शराब पकड़ी जाती है, लेकिन इससे 20 गुना, यानी दो सौ करोड़ की शराब खपा दी जाती है।

पड़ताल में सामने आया कि मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ से कम कीमत में शराब उपलब्ध है। मप्र में ज्यादा मात्रा में शराब लेने ▶▶|शेष पेज 5 पर

पाटन कांग्रेस नेता के फार्म हाउस से 500 पेटी शराब जब्त, सात गिरफ्तार

- पाटन पुलिस और एसीसीयू की कार्रवाई

भिलाई/पाटन। चुनाव के पहले ग्राम फुंडा स्थित कांग्रेसी नेता के बाड़ी से भारी मात्रा में शराब मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पाटन पुलिस की टीम ने शराब को जब्त कर इसमें शामिल सात युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि वर्मा फार्म हाउस से 500 पेटी अवैध शराब मिली है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में शराब की कीमतें (पेटी)

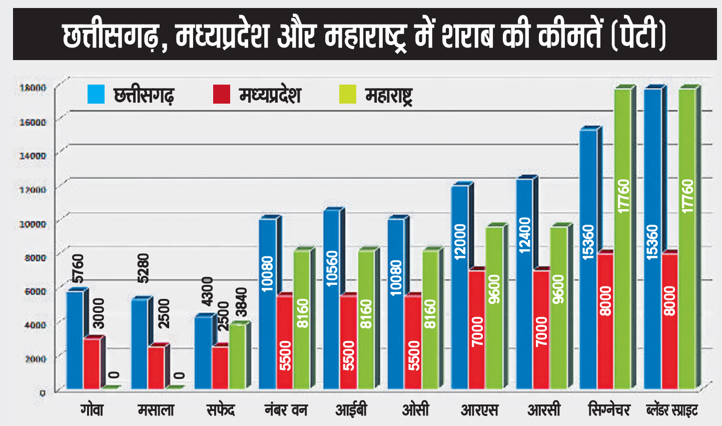

नोट- आंकड़े एमपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की शराब दुकान से लिए गए हैं।

ऐसे समझिए... दिल्ली में 1400 रुपए में बिकने वाली रेड लेबल छत्तीसगढ़ में 2800

दिल्ली में रेड लेबल, 100 पाइप, ब्लैक एंड व्हाइट जैसी शराब की कीमत 1400 रुपए के करीब है, जो छत्तीसगढ़ में 2800 रुपए तक में बिक रही हैं। तीन साल में ही इन शराब की कीमत में 1 हजार रुपए तक की ▶▶|शेष पेज 5 पर

जानिए, छत्तीसगढ़ में शराब तस्करी का खेल, लगातार पकड़ी जा रही शराब

केस 1

तीन महीने पहले महासमुंद जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र से पकड़े गए 786 शराब के मामलों में पुलिस ने 48 लाख से ज्यादा की 12 हजार 117 लीटर अवैध शराब पर बुलडोजर चलाया। इनमें महुआ, देशी, अंग्रेजी के अलावा ओडिशा, महाराष्ट्र और पंजाब के शराब भी शामिल थे। शराब की कीमत करीब 48.63 लाख रुपए थी। शराब के मामले 10 साल पुराने भी थे। सभी शराब तस्करी के मामलों में न्यायालय के आदेश पर शराब को नष्ट किया गया।

केस 2

11 दिन पहले पुलिस ने दो बड़े शराब तस्करी के मामलों का पर्दाफाश किया है। डोंगरगढ़ और बागनदी पुलिस की कार्रवाई में सब्जी ढोने वाले वाहनों से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद की थी। बागनदी के चिरचारी चेक पोस्ट पर एक पिकअप वाहन में पत्ता गोभी की बोरियों के नीचे से 196 बोतल शराब बरामद हुई है, वहीं डोंगरगढ़ के कुम्हड़ाटोला मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान दो वाहनों से 405 लीटर शराब बरामद की थी। इनमें रॉयल स्टेज, रॉयल चैलेंज, मैकडॉवेल नंबर 1 और ब्लेंडर प्राइड जैसे प्रीमियम ब्रांड शामिल थे।

केस 3

दो दिन पहले कवर्धा और बेमेतरा में आबकारी विभाग की टीम ने अलग-अलग प्रकरण में दो कंटेनर में 1480 पेटी अवैध शराब जब्त की है। इसकी कीमत 95.7 लाख रुपए आंकी गई है। इसे लाने वाले 3 आरोपी भी गिरफ्तार किए गए हैं, जो मध्यप्रदेश से कंटेनर छत्तीसगढ़ लाए थे। करीब 700 पेटी अवैध शराब जब्त की गई थी। इसके अलावा 17 सितंबर 2024 को जगदलपुर बस्तर से 12.82 लाख रुपए की अवैध शराब पकड़ी गई थी। इसे भी एमपी से लाया जा रहा था। 31 जनवरी को बलौदाबाजार में 100 पेटी अवैध शराब पकड़ाई, जो धार मध्य प्रदेश से लाई गई थी। 11 जनवरी को बलरामपुर में 12 लाख रुपए की शराब जब्त की गई। सब्जी के ट्रैक्टर में झारखंड से यह शराब लाई गई थी।

केवल वाहन चालकों पर ही कार्रवाई

छत्तीसगढ़ में अवैध शराब की तस्करी के व्यापक पैमाने पर बढ़ने के पीछे यह भी तर्क दिए जा रहे है पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा तस्करी में लिप्त वाहन चालक के खिलाफ ही कार्रवाही की जाती है। पुलिस और आबकारी विभाग के पास बोतल में लिखे हुए कोड के जरिए यह जानकारी भी हासिल हो जाती है कि आखिर यह शराब किस जिले ▶▶|शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

महाकुंभ में बनेंगे चार विश्व रिकॉर्ड

प्रयागराज। महाकुंभ नगर में चार विश्व रिकॉर्ड भी बनेंगे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से इसका कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। इसके अनुसार 14 से 17 फरवरी के बीच हर दिन एक रिकॉर्ड बनेगा। इसके लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम भी पहुंच गई हैं और उन्हीं की निगरानी में आगे की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। कुंभ 2019 में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए गए थे। इसके तहत 500 से अधिक शटल बसों को एक संचालित करने का रिकॉर्ड बना था।

केरल में ऊंचे इलाकों में भूकंप के झटके

कासरगोड। केरल के उत्तरी कासरगोड जिले के ऊंचे इलाकों में शनिवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। मालोम, राजपुरम, कोन्नाक्कड़ और आसपास के इलाकों में कुछ सेकंड तक झटके महसूस किए गए। उन्होंने इन इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए और जमीन के नीचे से कुछ अप्राकृतिक आवाजें सुनीं। इन इलाकों में कुछ लोगों ने बताया कि भूकंप के झटके की वजह से उनके फोन टेबल से गिर गए और चारपाई हिल गईं।

कोनी थाना अंतर्गत गांव लोफंदी में हुआ हादसा

आठ की मौत, आरोप अवैध शराब पीकर मरे, प्रशासन ने कहा- मछली खाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शहर से लगे ग्राम लोफंदी में अवैध महुआ शराब पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। शादी कार्यक्रम में भोजन करने के बाद गांव के 8 लोग बीमार हो गए। उन्हें इलाज के लिए सिम्स और निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया। इसके बाद 4 दिनों के भीतर सरपंच के भाई सहित 8 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, अन्य कई लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शनिवार की सुबह आग की तरह फैली मौतों की खबर से हड़कंप मच गया। आनन फानन में जिला प्रशासन व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन ने मौतों का कारण स्पष्ट नहीं होने व जांच के बाद मामले का खुलासा होने की बात कही है।

कोनी पुलिस के अनुसार, ग्राम लोफंदी के सरपंच रामाधार सुनहले के भाई रामू सुनहले 55 साल की 7 फरवरी की शाम 7 बजे अत्यधिक तबीयत खराब हो गई। परिजन के द्वारा उन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया, इलाज के दौरान रात 8 बजे उनकी मौत हो गई। परिजन रात में शव लेकर घर गए और 8 फरवरी को अंतिम संस्कार करने जा रहे थे। इसी दौरान कोनी पुलिस को गांव वालों से सूचना मिली कि अवैध महुआ शराब पीने से रामू सुनहले की मौत हुई है और बिना पोस्टमार्टम के उसका शव अंतिम संस्कार करने के लिए ले जाया जा रहा है। पुलिस ने गांव पहुंचकर अंतिम संस्कार रुकवा दिया। पूछताछ में परिजन ने बताया कि 4 फरवरी को उसने गांव के हरिजन मोहल्ला निवासी कोमल लहरे से महुआ शराब खरीदकर पी थी और श्रवण देवांगन के ▶▶|शेष पेज 5 पर

जंगल में शराब बनाने वाले आठ गिरफ्तार

सीपत पुलिस ने एनटीपीसी कर्मी बनकर कोरबा जांजगीर के बार्डर स्थित जंगल में टेंट लगाकर महुआ शराब बनाते 8 लोगों को पकड़ लिया है। उनके पास से 1600 लीटर महुआ शराब जब्त की गई है। पुलिस ने कोचियों को गिरफ्तार कर लिया है। सीपत टीआई गोपाल सतपथी को सूचना मिली कि जांजगीर, कोरबा जिले ▶▶|शेष पेज 5 पर

जिसने अवैध शराब बनाई, उसकी भी मौत

पिछले 4 दिनों में इनकी हुई मृत्यु

- रामू सुनहले 55 साल पिता बबईस सुनहले 59 साल
- शत्रुहन देवांगन पिता महेत्तर देवांगन 40 साल
- बलदेव पटेल पिता छेदीलाल पटेल 52 साल
- कोमल प्रसाद लहरे पिता गया राम लहरे 56 साल
- कन्हैया पटेल पिता चैतराम पटेल 60 साल
- कुन्नू देवांगन पिता उर्फ नान्हू पिता बाबा देवांगन 35 साल
- देव कुमार पटेल पिता चैतराम पटेल 45 साल
- बुधराम पटेल पिता इतवारी पटेल 50 साल

पोस्टमार्टम कराया गया

सूचना मिलने पर अंतिम संस्कार रोककर मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं है, बिसरा प्रिजर्व कर दिया गया है। गांव वालों ने बताया है कि महुआ शराब पीने व शादी कार्यक्रम में खाना के साथ मछली खाने से गांव के अन्य 6 लोग बीमार हुए थे। उनकी मौत हो गई और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। इसमें एक व्यक्ति की सांप काटने से मृत्यु हुई थी और कोनी थाना में इसका मर्ग कायम है। जांच के बाद मृत्यु के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

- रजनेश सिंह, एसपी

प्रशासन ने कहा, मौतों का कारण स्पष्ट नहीं

4 दिन के भीतर अवैध महुआ शराब पीने से लगातार हुई मौतों की खबर से प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, निगम आयुक्त अमित कुमार, एसडीएम पियूष तिवारी, स्वास्थ विभाग की टीम गांव पहुंच गई। ग्रामीणों ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि लोफंदी निवासी श्रवण देवांगन के घर पर शादी थी। 3 से 6 फरवरी के बीच ग्रामीणों को सामूहिक भोज में आमंत्रित किया गया था। पिछले 4 से 6 दिवस में ग्रामीणों की मृत्यु हुई है। कुछ अस्पताल में भर्ती हैं। यह भी बात सामने आई कि 6 फरवरी को नदी से मछली पकड़कर नदी के किनारे सब्जी पकाकर कुछ लोगों ने सेवन किया था। मृतक ग्रामीणों के मृत्यु पूर्व लक्षण पूछे जाने पर ग्रामीणों ने पेट दर्द, उल्टी, चक्कर आना, सुस्ती आना बताया गया है। एक की मौत सर्पदंश से हुई है। कुछ ग्रामीणों का पहले से बीमार होना भी बताया गया। जांच में जिला प्रशासन की टीम द्वारा पाया गया कि 5 लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु का कारण कार्डियो एवं रेस्पिरेटरी अरेस्ट उल्लेखित है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

सीएम साय ने किया रोड शो...

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भाजपा ने शनिवार को रायपुर नगर निगम चुनाव के लिए बड़ा रोड शो आयोजित किया। भनपुरी से प्रारंभ होकर यह रोड शो मरीन ड्राइव तेलीबांधा में समाप्त हुआ। इस रोड शो में भाजपा की महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे, प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम, सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्यमंत्री के साथ रोड शो के रथ पर सवार रहे।

डीएनए में पुष्टि, बदल गए थे बच्चे, मां को सौंपे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- जिला अस्पताल ने की थी बड़ी लापरवाही

बच्चा अदला-बदली मामला आखिर सुलझ गया है। डीएनए रिपोर्ट शनिवार को जिला अस्पताल दुर्ग में आने के बाद साधना सिंह के पास जो बच्चा है, वो शबाना का बच्चा है। रिपोर्ट आते ही बाल कल्याण समिति की ओर से बच्चा शबाना को देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साधना और शबाना को उनका बच्चा सौंप दिया गया है। सीएमओ डॉ. मनोज दानी ने बच्चा शबाना और साधना को सौंपने की पुष्टि की है। डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट के बाद शबाना के परिवार में ▶▶|शेष पेज 5 पर

कलेक्टर से शबाना ने लगाई थी गुहार

शबाना कुरैशी के परिवार ने इस पूरे मामले को सुलझाने के लिए कलेक्टर से मदद की गुहार लगाई थी। जिसके बाद कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने ही डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया पूरी कर रिपोर्ट जिला अस्पताल प्रबंधन को सौंप दिया है।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी

वंदेभारत ट्रेन के भीतर भी खरीद सकेंगे भोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वंदे भारत से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। रेलवे बोर्ड ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के यात्री टिकट बुकिंग के दौरान यदि भोजन का कोई विकल्प नहीं चुनते हैं, तो वे रेलगाड़ी में भी इसे खरीद सकते हैं। रेलवे बोर्ड ने भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को जारी एक परिपत्र में कहा, वंदे भारत रेलगाड़ियों में 'करेंट बुकिंग' (चार्ट बनने के बाद और ट्रेन रवाना होने से पहले होने वाली) और (भोजन का) विकल्प नहीं चुनने वाले यात्रियों को विकल्प और पर्याप्त खानपान सुविधाएं मुहैया कराने के लिए इन ट्रेनों में भोज्य पदार्थों की बिक्री और सेवा आईआरसीटीसी द्वारा फिर से बहाल की जा सकती है।

पहले नहीं मिल पाता था भोजन

रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, अक्सर ऐसा होता है कि आप बुकिंग के समय 'प्रीपेड' भोजन का विकल्प नहीं चुनते हैं, लेकिन यात्रा के दौरान ऐसी परिस्थितियां आती हैं कि आप भोजन खरीदना चाहते हैं। इन मामलों में, आईआरसीटीसी कर्मचारी ऐसे यात्रियों के भुगतान करने के बाद भी इसे देने से मना कर देता है।

अब यह होगा फायदा

उन्होंने कहा, अब नीतिगत तौर पर हमने तय किया है कि जिन यात्रियों ने 'प्रीपेड' भोजन का विकल्प नहीं चुना है, वे भी ट्रेन में गुणवत्तापूर्ण भोजन खरीद सकते हैं। बोर्ड के परिपत्र में आईआरसीटीसी से आग्रह किया गया है कि वह ट्रेन में यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता वाला स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए।

अपनी कार बेचने/खरीदनें के लिए स्कैन करें
छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
वेरिफाइड कार हिस्ट्री*
1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
*नियम और शर्तें लागू। Verified Car History और Warranty केवल True Value प्रमाणित कारों पर लागू। नि:शुल्क सेवा केवल श्रम शुल्क पर लागू है। वाहन पर काला शीशा प्रकाश के कारण होता है।
TRUE VALUE CERTIFIED
RAIPUR: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332 | AVANTI VIHAR: SKY AUTOMOBILES: 9584333066, 9584465304 | MAHOBA BAZAR, G.E. ROAD: SKY AUTOMOBILE: 9584433005, 9584465304 | BHILAI: POWER HOUSE, G.E. ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 7987196900 | DURG BYPASS: CHOUHAN AUTOMOBILES: 7222910050, 7222910057, 7222910042 | DURG: PULGAON CHOWK: SPARSH AUTOMOBILES: 9926761100 | JAGDALPUR: SKY AUTOMOBILES: 8889998607, 9584465304 | BHATAGAON: HDN MOTORS: 7909800009. SARONA: VISHWABHARTI AUTOMOBILES: 6262620018 | DUMERTARAI, DHAMTARI ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332, 9111011381.

ग्रामीण/शहरी रणभूमि

नगरीय निकाय चुनाव में जनता देगी माकूल जवाब: संजय

नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के खिलाफ आरोप पत्र जारी करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा, जनता माकूल जवाब देकर सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए तैयार बैठी है। नगरीय निकाय लोकतंत्र की वह महत्वपूर्ण इकाई है, जिससे जनता सीधे जुड़ी होती है और नगर का तेजी से विकास होता है।

सरकार के द्वारा आरोप पत्र लाना हास्यास्पद: सुशील

बीजेपी के आरोप पत्र पर कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, यह बीजेपी की बेशर्मी की पराकाष्ठा है।राज्य में एक साल एक महीने जो गए बीजेपी की सरकार है। केंद्र भी बीजेपी की सरकार है। सरकार में होते हुए विपक्ष के लिए आरोप पत्र लाना हास्यास्पद है।

नगर पालिक निगम चिरमिरी

बैकुंठपुर/डोमनहिल। एमसीबी जिले में काले हीरे की नगरी के नाम से प्रसिद्ध चिरमिरी नगर निगम चुनाव में इस बार कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। यहां भाजपा ने अधिवक्ता रामनरेश राय को अपना उम्मीदवार बनाया है, तो कांग्रेस ने मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल पर अपना भरोसा जताया है। दोनों ही उम्मीदवार अपने-अपने चुनावी एजेंडे और विकास योजनाओं के दम पर जनता के बीच जा रहे हैं। वहीं इस निगम चुनाव में भाजपा की तरफ से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और कांग्रेस की ओर से विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है, क्योंकि दोनों शीर्ष नेता अपने-अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी दमखम लगाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र के कुल 54,188 मतदाता (27,594 पुरुष और 26,594 महिलाएं) इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। हरिभूमि ने दोनों प्रत्याशियों से अहम मुद्दों पर बातचीत की।

ट्रिपल इंजन की सरकार के साथ करेंगे विकास: राय

सवाल : आपका चुनावी मुद्दा क्या है?
रामनरेश राय- हमारा मुख्य एजेंडा चिरमिरी का विकास, बेरोजगारों को रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करना है। भाजपा की सरकार केन्द्र और राज्य दोनों जगह है, ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास कार्य तेजी से पूरे होंगे। चिरमिरी में विकास पूरी तरह ठप हो गया है। जल आपूर्ति, सफाई और सड़कों की मरम्मत हमारा पहला काम होगा।

सवाल- आपकी नजर में चिरमिरी की बड़ी समस्या क्या है?
रामनरेश राय- हम चिरमिरी को एक आदर्श नगर बनाएंगे। सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी और बुनियादी ढांचे की बदहाली है। कांग्रेस सरकार ने चिरमिरी को सिर्फ वादों में उलझा कर रखा है। भाजपा सत्ता में आते ही औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देगी और युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर पैदा करेगी।

सवाल- शहर के विकास का आपका क्या प्लान है?
रामनरेश राय- एसईसीएल की लीज भूमि को राज्य सरकार से वापस कराकर वहां के लोगों को पट्टा दिलवाना। बिजली और पानी की बेहतर व्यवस्था। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नई योजनाएं लाना। कांग्रेस कार्यकाल में नगर निगम के फंड का दुरुपयोग हुआ है।

सवाल- पेयजल समस्या का समाधान कैसे करेंगे?
रामनरेश राय- निगम क्षेत्र के सभी घरों में नल-जल योजना के तहत पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के लिए 184 करोड़ रूपए स्वीकृत किए जा चुके हैं। हम सत्ता में आए तो जनता को हर बुनियादी सुविधा मुहैया कराएंगे।

सवाल- जनता को क्यों आप पर भरोसा करना चाहिए?
रामनरेश राय- भाजपा सरकार ने हमेशा जनता की सेवा की है और चिरमिरी के विकास के लिए काम किया है। विष्णुदेव साय की सरकार ने मात्र 13 महिने के कार्यकाल में शहर को नई योजनाएं दी हैं और आगे भी विकास कार्य जारी रहेंगे।

आमने सामने

विधायक के बाद मेयर बनकर जनता की सेवा करुंगा : डॉ. विनय

सवाल- चुनाव में आपकी प्राथमिकता क्या होगी?

डॉ. विनय जायसवाल - हमारा मुद्दा क्षेत्र की समस्याओं को दूर करना और जनता के हक की रक्षा करना है। विधायक रहते मैंने श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले कराए हैं, अब महापौर बनकर अधूरे काम पूरे करेंगे। हमारी प्राथमिकता जनता की भलाई और शहर का संपूर्ण विकास है। कांग्रेस सरकार ने चिरमिरी के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की है और हम इसे और आगे बढ़ाएंगे।

सवाल- चिरमिरी शहर के विकास का आपका क्या प्लान है?
डॉ. विनय जायसवाल- चिरमिरी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना। मंगल भवन, पार्कों और अन्य अधूरे प्रोजेक्ट को पूरा करना। शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक सुधार लाना। पिछले 5 साल में कांग्रेस ने जो काम किए हैं, जनता ने देखे हैं। कांग्रेस को जिताकर महापौर और पार्षदों को चिरमिरी की जनता निगम में भेजेगी, ताकि उनकी हर समस्या का समाधान हो सके।

सवाल- चिरमिरी के वार्डों में पानी की समस्या का समाधान कैसे करेंगे?
डॉ. विनय जायसवाल- पिछली सरकार में पानी की समस्या के समाधान के लिए कई योजनाएं बनीं, लेकिन उन्हें और आगे बढ़ाने की जरूरत है। पुरानी जर्जर पाइप लाइनों को बदलकर पानी की बर्बादी को रोकेंगे। हमने अपने कार्यकाल में जनता के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड जनता के सामने है, इसलिए जनता हमें फिर से मौका देगी तो इस समस्या का स्थाई हल निकाला जाएगा।

सवाल- निवृतमान महापौर के कार्यकाल पर भाजपाई सवाल उठाते हैं?
डॉ. विनय जायसवाल- भाजपा सिर्फ आरोप लगाती है, लेकिन हकीकत यह है कि महापौर और मेरे विधायकी कार्यकाल के दौरान चिरमिरी में बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाया है।

रोचक खबरें

कांग्रेस कमेटी घोषित नहीं कर पाई 4 जिला पंचायत क्षेत्र के लिए अधिकृत प्रत्याशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिला पंचायत कांकेर के क्षेत्र क्रमांक 02, 06, 08 और 13 में कांग्रेस के प्रत्याशी को अधिकृत नहीं कर पाई है। उसका बड़ा कारण यह रहा कि कांग्रेस के कई दावेदारों ने नामांकन दाखिल किया और आपस में सहमति नहीं बन पाने के कारण जिला कांग्रेस कमेटी ने यह कदम उठाया। कांग्रेस के इस कदम उठाने से यह चर्चा का विषय बन गया है कि कांग्रेस के लोग कांग्रेस के संगठन प्रमुख की बात नहीं मान रहे है। जानकारी के अनुसार जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सुभद्रा सलाम ने 4 फरवरी को जिला पंचायत कांकेर के 13 क्षेत्र में से केवल 8 पर ही अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने का पत्र जारी किया, परंतु यह पत्र सोशल मीडिया में 5 फरवरी की रात को वायरल हुआ। उस पत्र में जिला पंचायत कांकेर के चार ऐसे क्षेत्र है, जहां किसी को अधिकृत नहीं किया। इस विषय पर हकीकत जानने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभद्रा सलाम के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, परंतु संपर्क नहीं हो पाया। कांग्रेसियों में यह चर्चा है कि इन क्षेत्रों से कांग्रेस से जुड़े कई लोगों ने नामांकन दाखिल कर दिया है और कोई भी नाम वापिस लेने के लिए तैयार नहीं होने के कारण यह कदम उठाया गया। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 02 में 9 प्रत्याशी मैदान में है, जिसमें 4 कांग्रेस से जुड़े हुए है।

जीतने वाले को लेंगे खेमे में

जिला कांग्रेस का जिला संगठन इस मामले में कुछ भी कहने के लिए बच रहा है और मौन साध लिया है। कांग्रेस सूत्रों का मानना है कि इसमें कोई जीत गया तो उसे कांग्रेस खेमे में ले लिया जाएगा। चार क्षेत्र से प्रत्याशियों के अधिकृत नहीं किए जाने से कांग्रेस को सीधे नुकसान उठाना पड़ सकता है, ऐसा इस क्षेत्र के कांग्रेसियों का कहना है। पार्टी का कड़ाई से निर्देश देना था और उसके बाद भी नहीं मानने पर अनुशासत्मक कार्रवाई करना था।

नगर पंचायत मगरलोड में 17 वर्षों से कांग्रेस सत्ता में, क्या भाजपा का वनवास काल समाप्त होगा

मगरलोड। नगर पंचायत मगरलोड भैंसमुंडी का चुनाव 11 फरवरी मंगलवार को होगा। मगरलोड को नगर पंचायत का दर्जा 23 सितंबर 2008 को प्राप्त हुआ। ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनने के समय से अब तक कांग्रेस नगर सत्ता पर काबिज हैं। 2008, 2013, 2019, 2024 में नगरीय निकाय चुनाव हुआ। 2008 और 2013, 2024 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत से नगर सत्ता में रही है। 2019 के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी होकर सत्ता संभालने के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया। 2008 से 2024 तक लगभग 17 वर्षों तक कांग्रेस नगर पंचायत मगरलोड की सत्ता पर काबिज रही। वहीं भाजपा नगर सत्ता से दूर है। 2025 के नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस नगर सत्ता की कुर्सी बरकरार रख सकती है या नहीं। भाजपा 17 वर्षों का वनवास काल समाप्त कर नगर सत्ता पर काबिज हो सकती है कि नहीं, यह सभी के सामने यक्ष प्रश्न है।

निकाय चुनाव में भाजपा कांग्रेस के अलावा बागी प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार-प्रसार जोर-शोर से चल रहा है। नगर पंचायत में मगरलोड भैंसमुंडी शामिल हैं जिसे 15 वार्डों में विभाजित किया गया है। मगरलोड में वार्ड क्रमांक 2, 3, 4, 10, 11, 12, 13, 14, 15 सहित 9 वार्ड तथा भैंसमुंडी में 1, 5, 6, 7, 8, 9 सहित 6 वार्ड शामिल हैं। मगरलोड के 9 वार्डों में 1548 महिला मतदाता तथा 1443 पुरुष मतदाता हैं। इसी प्रकार भैंसमुंडी के 6 वार्डों में 1009 महिला मतदाता तथा 948 पुरुष मतदाता हैं। मगरलोड में 2981 मतदाता और भैंसमुंडी में 1956 मतदाता हैं। कुल 4947 मतदाता वाले नगर पंचायत मगरलोड में निवासरत अध्यक्ष पद के 3 प्रत्याशी हैं और भैंसमुंडी का एक भी प्रत्याशी नहीं हैं। नगर पंचायत मगरलोड सिहावा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शामिल है। विकासखंड मगरलोड के 24 गांव कुरूद विधानसभा में शामिल हैं। नगर पंचायत निर्माण के 17 वर्षों के लंबे समय में 5 वर्ष राज्य में कांग्रेस की सरकार रही है, बाकी के समय राज्य में भाजपा की सरकार रही है। नगर पंचायत निर्माण को 17 वर्ष हो गया, किंतु नगर विकास में मगरलोड काफी पीछे चल रहा है। मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

कुर्सी मिलने के बाद सारे वादे भूल जाते हैं

नगरवासियों को रोजगार मूलक कार्य के लिए भटकना पड़ रहा है। सड़क, बिजली, पानी की सुविधा नाम मात्र की मिल रही है। नगर में स्थापित कृषि उपज मंडी सफेद हाथी बनकर रह गया है। कृषि उपज मंडी में 12 माह धान खरीदी की सुविधा मिलने से लोगों को रोजगार मिल सकता है। लोगों का कहना है कि नगर पंचायत चुनाव के दौरान प्रत्याशी लंबा चौड़ा वादा कर नगर विकास के झूठे सपने दिखाते हैं किंतु चुनाव संपन्न होकर कुर्सी मिलने के बाद सारे वादे भूल जाते हैं।

मतदान के एक दिन पहले प्रचार रहेगा प्रतिबंधित

आज रात 12 बजे थमेगा चुनाव प्रचार का शोर प्रत्याशियों का घर-घर जाने पर रहेगा जोर

नगरीय निकाय चुनाव के लिए रविवार रात में प्रचार अभियान थम जाएगा। उम्मीदवारों को 9 तारीख, रविवार की रात 12 बजे तक प्रचार की अनुमति रहेगी। निकाय चुनावों में प्रचार समाप्ति की समय सीमा लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन से अलग है। प्रदेश में आगामी 11 फरवरी को होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए उम्मीदवार 9 फरवरी की रात 10 बजे तक सक्षम अधिकारी की अनुमति से नियमानुसार लाउडस्पीकर सहित प्रचार कर सकते हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रात 10 बजे तक लाउडस्पीकर का कर सकेंगे इस्तेमाल

रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। इस वजह से उम्मीदवार रात 10 से 12 बजे तक सक्षम अधिकारी की अनुमति से ही लाउडस्पीकर के बिना प्रचार कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी कलेक्टरों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखकर प्रचार अवधि की समाप्ति के संबंध में निर्देश दिए हैं। निर्वाचन नियमावली के अनुसार मतदान के दिन तथा उसके एक दिन पूर्व सार्वजनिक सभाओं की मनाही है।

प्रत्याशियों के पास एक दिन का समय

निकाय चुनाव को लेकर मतदाता भी इस बार इतने खामोश हैं कि प्रत्याशियों को पता ही नहीं चल रहा है, उनका रुझान किस ओर है। लिहाजा कुछ वार्डों में प्रत्याशियों ने खिलाने पिलाने पर फोकस कर दिया है। देर रात तक खूब पार्टियां चल रही हैं। आज और कल 2 दिन प्रत्याशियों के पास समय है, ऐसे में शहर के स्लम एरिया में मतदाताओं को कैसे अपने पक्ष में करना है, इस पर प्रत्याशी ताकत झोंक रहे हैं।

अंतिम दिन सार्वजनिक सभाएं नहीं होगी

नगरीय निकाय चुनाव में 11 फरवरी को मतदान किया जाएगा। इसके पूर्व 9 फरवरी को रात 12 बजे तक चुनाव प्रचार किया जा सकता है। साथ ही 9 फरवरी की रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनुमति नहीं होने के कारण रात्रि 10 से 12 बजे के बीच होने वाले चुनाव प्रचार की अनुमति देते समय इन सभी प्रावधानों का ध्यान रखा जाएगा। मतदान के ठीक एक दिन पूर्व सार्वजनिक तौर पर चुनाव प्रचार नहीं किया जा सकता। इसमें इसके अंतर्गत सार्वजनिक सभाएं, जुलूस, नुक्कड़ सभाएं, लाउडस्पीकर का उपयोग इत्यादि पूर्णतः प्रतिबंधित रखा जाएगा।

राजनीतिक दलों ने लगाई ताकत

नगरीय निकाय चुनाव का शोर-शराबा आज देर रात 12 बजे थम जाएगा। रायपुर के 70 वार्डों में राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। निर्दलीय प्रत्याशियों के साथ अन्य दलों के प्रत्याशी भी कई दिनों से घर-घर दस्तक दे रहे हैं। चुनावी बिगुल बंद होने के बाद 24 घंटे का समय प्रत्याशियों के लिए शेष रहेंगे, जिसमें अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचकर शांतिपूर्वक तरीके से जनसंपर्क करना पड़ेगा। चुनाव की तिथि एकदम करीब आने के बाद प्रत्याशियों की भी धड़कनें तेज हो गई हैं। इधर प्रशासन भी शांतिपूर्वक चुनाव कराने में लगा है। चुनाव प्रचार शोर थमने के अंतिम दिन शहर में कहीं विवाद की स्थिति निर्मित ना हो, इस पर भी पूरी नजर है। कलेक्टर ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को चुनावी माहौल पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

टुकुन की नजर से...

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और विधायक के खास युवा नेता ने थामा भाजपा का साथ

एक ही परिवार के दो सदस्यों को टिकट देने से थे नाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखेश्वर बघेल व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के खास युवा नेता आशीष मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के समक्ष शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया।

नगरीय निकाय चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को उन्होंने तगड़ा झटका दिया है। आशीष मिश्रा अपने 50 से अधिक साथी के साथ भाजपा में शामिल हो गए। वे कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदों की जिम्मेदारी निभा चुके है। वे दीपक बैज के सांसद प्रतिनिधि के रूप में भी काम कर चुके हैं। उनके साथ शिव सिंह सिंगर, अनिल जायसवाल, महेंद्र बघेल, रुस्तम परिहार, सौरभ राय, विक्की शर्मा, लोकनाथ ठाकुर, दिनेश जो भारतीय जनता पार्टी के रीति-नीति से प्रभावित होकर भाजपा प्रवेश किया। इस दौरान वनमंत्री केदार कश्यप, जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे समेत अनेक भाजपाई मौजूद रहे।

पार्टी पर अनदेखी व सनातन विरोधी का लगाया आरोप

हरिभूमि से चर्चा में आशीष मिश्रा ने कहा पार्टी द्वारा कुछ समय से युवाओं के साथ संगठन के दायित्व को लेकर अनदेखी की जाती रही। सनातनियों को नीचा दिखाने हर स्तर पर प्रयास किया जाता रहा। पूरे देश मे कांग्रेस की छवि सनातन विरोधी है। मैंने सबसे पहले समाज देश और फिर राजनीति को महत्व देते पार्टी के लिए जितना करना था, पूरे तन मन, धन से किया। अब सनातन विरोध सहा नही जाता। इसलिए पार्टी से इस्तीफा देने पर बाध्य हुआ।

पार्षद से प्रधानमंत्री तक भाजपा का प्रतिनिधित्व होना चाहिए, तभी आएगा बदलाव

हरिभूमि न्यूज/ रायपुर
प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन ने प्रदेश के मंत्रियों को भी एक-एक नगर निगम की जिम्मेदारी सौंपी है। रायगढ़ की जिम्मेदारी वित्त मंत्री ओपी चौधरी के पास है। उनसे रायगढ़ नगर निगम चुनाव के साथ ही प्रदेश की राजनीति पर भी आईएनएच की वरिष्ठ एंकर सोनल भारद्वाज ने चुनावी संवाद किया है। प्रस्तुत है, उनके साथ हुई बातचीत के अंश।

▶▶ आप केंद्र भी जीत गए, छत्तीसगढ़ भी जीत गए फिर भी नगरीय निकाय चुनाव में इतनी ज्यादा मेहनत?
भाजपा हर चुनाव को गंभीरता से लेती और उसको सौ फीसदी देती है। छोटा हो या बड़ा, हमारी पार्टी हर चुनाव को पूरी गंभीरता से लेती है। मेहनत करती है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का विजन है। ऐसे में पंच से पार्लियामेंट तक और पार्षद से प्रधानमंत्री तक भाजपा का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। तभी देश में बदलाव होगा। हर स्तर पर विकास नजर आएगा।

▶▶ पीएम से लेकर सीएम तक और अब मेयर भी...चायवाले की चर्चा हो रही है। रायगढ़ में एक चायवाला चुनाव लड़ रहा है।
रायगढ़ के हमारे मेयर के प्रत्याशी जीवर्धन चौहान 29 साल से राजनीति कर रहे हैं, इसके बाद भी उन्होंने चाय बेचने का काम बंद नहीं किया है। इससे यही साबित होता है कि वे एक ईमानदार व्यक्ति हैं। उनकी ईमानदारी के कारण ही उनको प्रत्याशी बनाया गया है। समझने की जरूरत है कि जो व्यक्ति 29 साल से राजनीति कर रहा है वह अभी भी ईमानदारी और मेहनत के दम पर अपनी आजीविका चला रहा है। अगर ईमानदार न होते तो पांच मंजिला भवन में रह रहे होते, चाय नहीं बेचते। उनको टिकट उनकी कर्मठता और ईमानदारी की वजह से दिया गया है।

▶▶ कांग्रेस कहती है मेयर रबर स्टंप रहेंगे?
यह तो सरासर एक चाय बेचने वाले का अपमान है, एक गरीब का अपमान है, सभी मेहनतकशों का अपमान है। कांग्रेस को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने ही प्रधानमंत्री को रबर स्टंप बनाकर रखा था। भाजपा में यह परंपरा ही नहीं है। भाजपा में हर कार्यकर्ता पार्टी और देश के लिए समर्पित होता है।

▶▶ डा. चरण दास महंत का कहना है कि अगला चुनाव टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा?
कांग्रेसियों के बीच गुटबाजी है। कोई पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को निपटा रहा है, काई प्रदेशाध्यक्ष को। सब इसी काम में लगे हैं। इनका मकसद सेवा है ही नहीं। इनका मकसद है सत्ता पाना। बिना सत्ता के यह झटपटाते हैं। मैं आपको बता रहा हूं कि लड़ते हुए यह चार साल निकाल देंगे और छत्तीसगढ़ में फिर से भाजपा की सरकार बन जाएगी।

▶▶ छत्तीसगढ़ का बजट आने वाला है, आप राज्य सरकार के बजट में जनता को कैसे खुश करने वाले हैं?
छत्तीसगढ़ की बेहतर बुनियाद रखने वाला है हमारा बजट होगा। सीएम साय के नेतृत्व में काम हो रहा है। किसानों के लिए, महतारी वंदन के लिए प्रधानमंत्री आवास के लिए तो बजट में होगा ही, इसी के साथ सड़कों के लेकर अन्य काम विकास के काम भी होंगे। हमारी सरकार नई उद्योग नीति लेकर भी आई है। अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा फोकस है। पांच लाख करोड़ की जीडीपी को दस लाख करोड़ तक पहुंचाना है। भविष्य का छत्तीसगढ़ कैसा हो उस विजन पर काम हो रहा है। बजट में वह सब दिखेगा।

टीवी मसाला

‘गुम है किसी के प्यार में’ शो में हुई एक्ट्रेस रेखा की एंट्री...

नई दिल्ली। ‘गुम है किसी के प्यार में’ एक नए रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां इमोशनल ड्रामा, जबरदस्त ट्विस्ट और इमोशन देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में रिलीज़ हुए प्रोमो से फैंस की एक्साइटेमेंट बढ़ गई है। इसकी खासियत लीजेंडरी एक्ट्रेस रेखा हैं। रेखा की भावनाओं से भरी आवाज़ इस कहानी को और भी खास बना देती है, जो तेजस्विनी के जज़्बातों के उतार-चढ़ाव को बखूबी दर्शाती है। नील के साथ बेमेल शादी की उलझन और अपने पहले प्यार रूतुराज की वापसी के बीच फंसी तेजस्विनी की कहानी दर्शकों को गहराई तक छू जाएगी। रेखा की आवाज़ इस सफर को और भी भावुक और यादगार बना रही है, जो शो को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है।

भावनाओं से भरी है रेखा की आवाज : शो में नई कास्ट की एंट्री हुई है, जिसमें वैभवी हंकारे (तेजस्विनी), सनम जौहर (रूतुराज) और परम सिंह (नील) शामिल हैं। ये सभी अपने दमदार अभिनय से इस कहानी में नए रंग भर रहे हैं। रेखा की बेमिसाल ग्रेस और उनकी भावनाओं से भरी आवाज़ ने प्रोमो को और भी खास बना दिया है, जिससे कहानी को एक अलग ही गहराई मिल रही है। तेजस्विनी के खुद को खोजने, प्यार और त्याग के सफर को उनकी मौजूदगी ने और भी दिलचस्प बना दिया है।

यह सीरियल हमेशा दिल के करीब रहा : लीजेंडरी एक्ट्रेस रेखा ने अपने इमोशनल कनेक्शन को जाहिर करते हुए कहा, “गुम है किसी के प्यार में” हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है। जैसे-जैसे इसका नया सीजन सामने आ रहा है, मैं एक ऐसी कहानी का इंतज़ार कर रही हूं जो इंसानी जज़्बातों, प्यार, कर्तव्य, परिवार और जूनून जैसे पहलुओं को गहराई से टटोलती है।

‘शिव शक्ति तप त्याग तांडव’ में नजर आएगी घुमारवीं की बेटी

मुंबई। मायानगरी मुंबई में हिमाचल प्रदेश के घुमारवीं की रिया शर्मा धूम मचा रही है। कलर चैनल पर लोकप्रिय धारावाहिक महाकाव्य पौराणिक गाथा शिव शक्ति-तप त्याग तांडव में कन्या कुमारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छोटे पर्दे पर यह धारावाहिक कलर चैनल पर सोमवार से रविवार रात आठ बजे प्रसारित होता है। इससे पहले भी रिया ने स्टार प्लस चैनल में हिट सीरियल तेरी मेरी डोरियां में मन्नत के किरदार से दर्शकों का दिल जीत चुकी है। रिया के पिता व्यवसायी अनिल शर्मा और माता सुनीता शर्मा गृहिणी और समाजसेविका हैं।

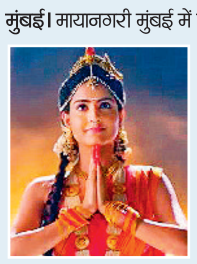

यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी

ऋषि कपूर ने ठुकरा दी थी ‘हम तुम’, कहा- बकवास, 7 तो सीन दिए तूने मुझे

मुंबई। दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर ने अपने करियर में कई यादगार फिल्में की हैं। ‘हम तुम’ भी उन्हीं में से एक है, जिसे न सिर्फ दर्शकों, बल्कि समीक्षकों से भी खूब प्यार मिला। सैफ अली खान और रानी मुखर्जी के साथ-साथ ऋषि की भी फिल्म में तारीफ हुई थी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऋषि ने इस फिल्म में काम करने से साफ इनकार कर दिया था। हाल ही में फिल्म के निर्देशक कुणाल कोहली ने यह खुलासा किया। फिल्म ने 5 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए थे। 28 मई, 2004 में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बिना सुने ऋषि ने कर दिया था इनकार

कुणाल ने बताया, “जब मैंने ऋषि कपूर को फिल्म में उनकी भूमिका बताई तो उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कर रहा हूं। जब मैंने पूछा क्यों तो उन्होंने कहा, मेहमान भूमिका है ये। मुझे नहीं करनी।, क्या है? बकवास है। 7 तो सीन दिए तूने मेरे को, मुझे नहीं करना। इसके बाद मैंने उनसे कहा कि एक बार आप सीन सुन तो लीजिए, जिसके बाद अभिनेता सहमत हो गए। फिर जब उन्होंने अपने सीन सुने तो वह बहुत प्रभावित हुए।

फिर कैसे राजी हुए अभिनेता?

कुणाल ने आगे कहा, ऋषि को अपना हर सीन बहुत अच्छा लगा और वो कहने लगे कि मुझे और दृश्य दे दो। मुझसे कैमियो क्यों करवा रहे हो। मेरे सीन बढ़ा दो। मैंने कहा डालने को मैं आपके 10 दृश्य डाल सकता हूं, लेकिन फिर वो उतने प्रभावी नहीं रह जाएंगे। यह सुनकर ऋषि ने कहा कि चलो हां, ठीक है करते हैं। बता दें कि ‘हम तुम’ में ऋषि ने सैफ के पिता का किरदार निभाया था।

‘हम तुम’ के बारे में

फिल्म ‘हम तुम’ में सैफ का काम इतना अच्छा था कि इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार तक मिला था। इसमें सैफ ने करण कपूर नाम के एक कार्टूनिस्ट का किरदार निभाया था। फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ उनकी केमिस्ट्री की भी खूब तारीफ हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी।

फिल्म ने बदली थी सैफ के करियर की दिशा और दशा

कुणाल कहते हैं, हम तुम यशराज फिल्म्स के लिए एक बड़ा दांव था, क्योंकि इससे पहले उनकी निर्देशित एकमात्र फिल्म ‘मुझसे दोस्ती करोगे’ नहीं चली थी। ‘हम तुम’ सैफ के लिए भी मील का पत्थर साबित हुई थी, क्योंकि इससे पहले उन्होंने कभी अकेले कोई हिट फिल्म नहीं दी थी। फिल्म बनाने के लिए यश चोपड़ा ने मुझे और आदित्य चोपड़ा को 7.5 करोड़ रुपये दिए थे और कहा था कि इसमें बनानी है तो बनाओ, नहीं तो मत बनाओ।

दिलजीत दोसांझ के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखेगी...

नई दिल्ली। दिलजीत दोसांझ आज दुनियाभर में मशहूर हैं और उनकी आवाज से लेकर अभिनय तक की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोलती है। कोई शक नहीं कि जीवन में इतना बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए दिलजीत ने दिन-रात मेहनत की है। वह कइयों की प्रेरणा हैं। अब खबर है कि दिलजीत के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बनने वाली है। एक चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज आने वाली है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म हुलू से बातचीत जारी : दिलजीत ने न केवल भारतीय, बल्कि विदेशी दर्शकों का भी दिल जीता है। खासकर धमाकेदार दिल-लुमिनाटी टूर के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। खबर है कि उनके जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री के लिए अमेरिकी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हुलू से उनकी बातचीत चल रही है। इस सीरीज के जरिए लोगों को दिलजीत को करीब से जानने का मौका मिलेगा। इस कड़ी में उनके शुरुआती संघर्ष से लेकर दुनियाभर में उनके स्टारडम की कहानी हम सभी के सामने होगी।

दुनियाभर के लोगों को प्रेरित करेगी सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म को पूरा भरोसा है कि दिलजीत की कहानी दुनियाभर के दर्शकों को प्रेरित करेगी,क्योंकि उन्होंने पंजाबी संगीत इंडस्ट्री को वैश्विक पहचान दिलाई है। यह डॉक्यूमेंट्री दिलजीत के शुरुआती संघर्षों को भी दिखाएगी। इसके जरिए यह भी दिखाया जाएगा कि किस तरह गायक और उनके पंजाबी संगीत ने वैश्विक स्तर पर क्या प्रभाव डाला है। सीरीज की शूटिंग इसी साल होगी। हालांकि, अभी दिलजीत या स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की तरफ से इस खबर की पुष्टि नहीं हुई है।

पहले कीर्तन में गाया करते थे दिलजीत

दिलजीत का असली नाम दलजीत था। वह बेहद साधारण परिवार से हैं। पिता रोडवेज में ड्राइवर थे तो मां गृहिणी। गरीबी में बचपन बिताने वाले दिलजीत को बचपन से ही गाना गाने का बहुत शौक था। वह गुरूद्वारे में कीर्तन गाकर अपने घर का गुजारा करते थे। साल 2004 में दलजीत ने अपना पहला एल्बम ‘इश्क दा उड़ा अड्डा’ रिलीज किया था। इस दौरान उन्होंने अपना नाम दलजीत से दिलजीत कर लिया और बस फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पहली ही फिल्म से छा गए दिलजीत

बतौड लीड हीरो दिलजीत की पहली फिल्म थी ‘द लॉयन ऑफ पंजाब’। इसका गाना ‘लक 28 कुड़ी दा’ जबरदस्त हिट हुआ और पहली बार बीबीसी के एशियन डाउनलोड चैट में गैर बॉलीवुड गायक का गाना टॉप पर पहुंचा। इससे दिलजीत की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ।शाहिद कपूर अभिनीत ‘उड़ता पंजाब’ से दिलजीत बॉलीवुड में आए और पहली ही फिल्म से वह हिंदी सिनेमा में भी छा गए। जल्द ही वह सनी देओल के साथ ‘बॉर्डर 2’ में नजर आएंगे।

‘देवा’ का नया गाना ‘बस तेरा प्यार में विशाल ने लगाए सुर...

मुंबई। शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की फिल्म ‘देवा’ को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो गया है। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थी, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बेहाल है। अब इस बीच निर्माताओं ने ‘देवा’ का नया गाना ‘बस तेरा प्यार है’ जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में शाहिद और पूजा की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है।

नागा और साई की ‘थंडेल’ ओटीटी पर

मुंबई। अभिनेता नागा चैतन्य पिछले काफी समय से फिल्म ‘थंडेल’ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में नागा की जोड़ीदार साई पल्लवी हैं। इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब ‘थंडेल’ की ओटीटी रिलीज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद ‘थंडेल’ ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 27 वर्ष बाद कमल खिला है। पूर्ण बहुमत से भाजपा की शानदार जीत हुई है, जबकि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है। आप के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सतेन्द्र जैन, सौरभ भारद्वाज, सोमनाथ भारती, दुर्गेश पाठक, अवध ओझा, राखी बिड़लान आदि चुनाव हार चुके हैं। भाजपा 8 से 48 पर पहुंची है तो आप 62 से 22 पर सिमट गई है। 70 सीटों की विधानसभा वाली दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 जादुई आंकड़ा है। बड़बौलेपन अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने नकार दिया है। इस हार के बाद आम आदमी पार्टी के राजनीतिक भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। कांग्रेस एक बार फिर से जीरो साबित हुई, लेकिन उसने आप के 14 सीटों पर हारने में अहम भूमिका निभाई। अब भाजपा की अग्निपरीक्षा होगी। नए मुख्यमंत्री के चुनाव से लेकर सभी चुनावी वादे पूरे करने होंगे। भाजपा ने बिना चेहरा चुनाव लड़ा है। प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता, वीरेन्द्र सचदेवा व मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे दिग्गज नेता सीएम की रेस में हैं। भाजपा के सामने वर्ष में दो मुफ्त सिलेंडर, केजी से पीजी मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार, आयुष्मान योजना, झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन में 5 रुपये में भोजन, 50 हजार सरकारी नौकरियां, 20 लाख स्वरोजगार, पंजीकृत श्रमिकों को 3 लाख लोन आदि संकल्पित वादे पूरे करने होंगे। पिछली आप सरकार की योजना मुफ्त बिजली, पानी व महिलाओं का बस में सफर को भी जारी रखने का वादा निभाना होगा। एलजी व सीएम के बीच का टकराव तो खत्म हो जाएगा, लेकिन भाजपा को काम करके दिखाना होगा। दिल्ली चुनाव का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

गढ़ भी छूटा और सेनापति भी नहीं रहा

दिल्ली चुनाव
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे जनाकांक्षा को भूलते गए।

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था।

केजरीवाल के लिए राह कठिन

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अण्णा के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को इतनी उम्मीदें थीं कि अण्णा का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरिया भरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण, वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति मालीवाल की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने अरविंद केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए।

राजधानी में बढ़ता गया भ्रष्टाचार

मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली गई। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए।

पंजाब में किए वादे नहीं निभाए

2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रुपये महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रुपये महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रुपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

कांग्रेस ने भी बिगाड़ा खेल

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस की भी है। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन उसने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

अहंकार और रणनीतिक चूक से 'आप' हारी !

दो टूक
सुशील देव
वरिष्ठ स्तंभकार

आम आदमी पार्टी की विधानसभा चुनाव में हार ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह हार केवल चुनावी गणित की वजह से नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे कई गहरे कारण हैं, जो पार्टी की कार्यशैली, नेतृत्व की गलतियां और जनविश्वास की कमी को उजागर करते हैं। संगठन के स्तर पर भी आम आदमी पार्टी में वास्तविक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा रही। आप की हार का एक बड़ा कारण उसका अहंकार और अति आत्मविश्वास रहा। जब कोई दल सत्ता में होता है, तो उसे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने अपने शुरुआती दिनों में जनता से जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में विफल रही। नाली, पानी, सड़क, सीवर एवं अन्य बुनियादी समस्याओं पर सही समय पर सही काम नहीं हुआ। इसके अलावा, संगठनात्मक रूप से पार्टी कमजोर पड़ गई। पुराने और अनुभवी साथियों की उपेक्षा तथा नए-नए लोगों को आगे बढ़ाने की नीति ने पार्टी की जड़ों को कमजोर किया। मतलब साफ है कि हार का एक और बड़ा कारण इसके कार्यकर्ताओं की अनदेखी रही। इससे पार्टी के जमीनी समर्थन में गिरावट आई। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी कई फैसले ऐसे रहे जो जनता को प्रभावित नहीं कर सके। दिल्ली सरकार की शराब नीति, मुख्यमंत्री का शीश महल और केंद्र सरकार को हर नाकामी के लिए दोष देने की प्रवृत्ति ने जनता में नकारात्मक संदेश दिया। इससे केजरीवाल की 'कट्टर ईमानदार' छवि को गहरा धक्का लगा। हर बात पर केंद्र को कोसना, धीरे-धीरे जनता को काम न करने का बहाना लगने लगा। मुफ्त योजनाओं से आगे की सोच का अभाव दिखा। जैसे कि बिजली, पानी और बस यात्रा को मुफ्त करने जैसी योजनाएं शुरूआती दौर में आकर्षक थीं, लेकिन पार्टी इनसे आगे बढ़कर कोई ठोस विकास मॉडल प्रस्तुत नहीं कर पाई। भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के आरोपों ने पार्टी की विश्वसनीयता को कमजोर किया। अन्ना आंदोलन से निकली इस पार्टी से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन समय के साथ यह उम्मीदें टूटती गईं। उनके विधायकों ने क्षेत्र के अंदर कोई कैडर तैयार नहीं किया। इस पार्टी ने बहुत जल्दी राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की, जो एक बड़ी रणनीतिक भूल साबित हुई। जबकि पार्टी को पहले कुछ राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए थी, लेकिन उसने सीधे केंद्र की राजनीति को लक्ष्य बनाया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर लगातार हमले करने की रणनीति भी कारगर नहीं रही। चाहे अनुभवों की कमी हो, या सही मागदर्शन का अभाव आम आदमी पार्टी की सरकार पर कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे जो बड़ी किरकिरी साबित हुई। कई अवसरों पर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी को केजरीवाल के द्वारा यह चुनौती देना कि इस जन्म में वे दिल्ली नहीं जीत सकते। यह सब बचकाना और अनुभवहीनता से जनता खुश नहीं होती थी। अब पार्टी का भविष्य क्या होगा। समय का चक्र ही बताएगा। लेकिन यह सही है कि आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी हार का एक बड़ा कारण रहे। जहां तक दिल्ली में विपक्ष की भूमिका निभाने की बात है। आगे की राह भी आसान नहीं दिखती। जनता का खोया हुआ विश्वास वापस पाना पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे संगठन और कमजोर हो सकता है। सच तो यह है कि केजरीवाल को अब सड़कों पर उतर कर फिर से आंदोलन करना पड़ सकता है। आम आदमी पार्टी को इस हार से सबक लेकर आत्ममंथन करने की जरूरत है। भाजपा ने जिस तरह आप की छवि को नकारात्मक रूप से प्रचारित किया, उसे सुधारने के लिए पार्टी को अपनी रणनीति बदलनी होगी। इस हार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि राजनीति में टिके रहने के लिए सिर्फ वादे और मुफ्त योजनाएं ही काफी नहीं होतीं। जनता को स्थायी समाधान, पारदर्शिता और भरोसेमंद नेतृत्व चाहिए। आप को अपनी नीतियों और रणनीति पर गहन पुनर्विचार करने की जरूरत है, ताकि वह भविष्य में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभर सके।

सत्ता की धुरी बनतीं महिला मतदाता

विमर्श
डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार व स्तंभकार

आम चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक आधी आबादी की सियासी लामबंदी स्पष्ट अब दिखने लगी है। राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणामों में भी महिला वोटर्स के झुकाव का असर स्पष्ट नजर आया। 1998 से लेकर 2025 तक लंबे अर्से से सत्ता के बाहर रही बीजेपी की वापसी के पीछे भी महिला मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में बीजेपी ने 48 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

ध्यातव्य है कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों पर जीत आवश्यक है। महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा से लेकर घरेलू मोर्चे पर मुफ्त पानी-बिजली देने वाली आम आदमी पार्टी के जादू को तोड़ने वाली यह जीत बीजेपी ने भी महिलाओं से लिए बहुत सी योजनाओं का वादा करके हासिल की है। असल में महिला मतदाताओं में बनती बुनियादी मुद्दों से जुड़ी सरोकारी समझ के साथ ही बढ़ता मतदान प्रतिशत भी सत्ता का खेल बनाने-बिगाड़ने वाला साबित होने लगा है।

आधी आबादी की वोटिंग ज्यादा

इस बार राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीटों पर 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 94 लाख 51 हजार 997 लोगों ने वोट डाले। महिलाओं ने न केवल मतदान प्रक्रिया में काफी उत्साह दिखाया बल्कि कई विधानसभाओं में तो पुरुषों से अधिक मतदान किया। ज्ञात हो कि दिल्ली में कुल पंजीकृत महिला मतदाताओं की संख्या 72,36,560 और पुरुष वोटर्स का आंकड़ा 83,76,173 है। आधी आबादी की वोटिंग का आंकड़ा 60.92 फीसदी रहा। वहीं 60.20 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया। 5 फरवरी को हुए मतदान में देश का पावर सेंटर कही जाने वाली राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभाओं को मिलाकर महिला-पुरुष वोटरों की तुलना में महिलाओं ने 0.72 प्रतिशत अधिक मतदान किया।

महिला वोटर्स को लुभाया

महिला वोटर्स की प्रभावी भागीदारी के चलते ही दिल्ली के चुनावी मैदान में उतरे सभी दलों की सहयोगी योजनाओं के केंद्र में आधी आबादी को लुभाने की खूब कवायद की। आर्थिक सहायता देने से लेकर मुफ्त सुविधाएं देने तक, महिलाओं के लिए बहुत सी घोषणाएं की गईं थीं। महिला मतदाताओं को रिझाने के प्रयासों की सबसे पहली कोशिश 10 साल के दिल्ली की बागडोर सम्भाल रही आम आदमी पार्टी ने की थी।

घोषणाएं राजनीति का हिस्सा

पहले भी महिला वोटर्स को मुफ्त सुविधाएं देकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि को इस बार 1000 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये करने का निर्णय किया था। वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में कांग्रेस ने भी आधी आबादी के लिए अपना पिटारा खोलने में कोताही नहीं की। ध्यातव्य है कि कभी दिल्ली की राजनीति में मजबूत उपस्थिति रखने वाली कांग्रेस पार्टी

पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक नहीं खोल सकी है। ऐसे में चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कांग्रेस ने भी सत्ता में आने पर प्यारी दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने का वादा किया था। साथ ही महंगाई मुक्ति योजना के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की बात भी कही थी। निःसंदेह, दोनों ही दलों की ऐसी योजनाएं महिलाओं को प्रभावित करने की राजनीति का हिस्सा थीं। वहीं 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने में सफल रही भारतीय जनता पार्टी ने भी महिलाओं को 2,500 रुपये की सम्मान राशि भी देने का ऐलान किया था। ज्ञात हो कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने की भी घोषणा की थी। साथ ही घोषणाओं में विधवाओं, बेसहारा महिलाओं की पेंशन 2,500 से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने और हर गर्भवती महिला को 21,000 रुपये दिये जाने की बात भी शामिल थी।

भाजपा पर जताया विश्वास

दिल्ली विधानसभा के परिणाम बताते हैं कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने वाली योजनाओं का सकारात्मक असर देख चुकी भारतीय जनता पार्टी के वादों पर फिर से महिला वोटर्स ने भरोसा किया है।

सजगता का प्रतीक

कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं का बढ़ता मतदान प्रतिशत योजनाओं और मुफ्त सुविधाओं की घोषणाओं से परे उनकी सजगता का भी प्रतीक है। देश की आधी आबादी अब राष्ट्र के नव-निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के इस अधिकार के मायने समझने लगी हैं। गौरतलब है कि इस बार सत्ता गंवाने वाली आम आदमी को 2020 में मिली जीत के पीछे भी महिला मतदाताओं की अहम भूमिका थी। वर्ष 2020 के चुनाव में 31 विधानसभा क्षेत्रों और साल 2015 में 15 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था।

असल में अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने के चलते स्त्रियां अब गंभीर और सजग वोटर्स बन गई हैं। महिला वोटर्स की इस जागरुकता के चलते राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में भी दिलचस्पी दिखाती हैं। वहीं मतदान का अधिकार महिलाओं को हर भेदभाव से परे एक नागरिक के रूप में बराबरी का अहसास करवाता है। समानता, सुरक्षा और अपना अस्तित्व संवारने हेतु सहज परिवेश पाने के लिए महिलाएं पूरे उत्साह से वोट देने निकलती हैं। नतीजतन, देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक मतदाता के रूप में स्त्रियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

वोटिंग को लेकर महिलाएं सजग

विचारणीय है कि परंपरागत सामाजिक-पारिवारिक ढांचे वाले भारतीय समाज में स्त्रियाँ मतदान के मोर्चे स्वतंत्र राय भी रखने लगी हैं। 2014 के आम चुनावों के समय हुए 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटी' के एक सर्वे के मुताबिक 70 फीसदी महिला मतदाता वोट डालने में अपने पतियों से राय लेने के बजाय स्वतंत्र निर्णय करती हैं। बीते एक दशक में तो यह आंकड़ा और बढ़ा ही है। स्त्रियां अपना मत देने को लेकर बेहद सजग हुई हैं। इतना ही नहीं, स्त्रियों में मतदान के प्रति कर्तव्य बोध का भाव भी खूब दिखता है। मतदान के अधिकार और कर्तव्य के मोर्चे पर महिला वोटर्स की बढ़ती भागीदारी व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक मोर्चे पर भी सकारात्मक बदलाव की बानगी है। चुनावी खेल बदलने वाली यह भागीदारी बहुत से पहलुओं पर आ रहे परिवर्तन को सामने रखती है।

घोटालों ने डुबाई 'आप' की नैया

विश्लेषण
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

आखिरकार दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन ही गई और 27 सालों का सूखा खत्म हुआ। राजधानी की जीत हर राज्य से बड़ी जीत मानी जा रही है चूंकि बीते दशकभर में बीजेपी केंद्र के अलावा कई राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हुई लेकिन यहां मोदी लहर के बावजूद भी केजरीवाल दिल्ली में सत्ता पर काबिज रहे। बीजेपी ने 70 में से 48 सीटों पर कब्जा किया और आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा और कांग्रेस इस बार भी शून्य पर रही।

मोदी पर जताया विश्वास

माना यह भी जा रहा था कि यदि इस बार दिल्ली में बीजेपी की सरकार नहीं बनती तो बीजेपी के सम्मान को ठेस व छवि पर बड़ा डेन्ट पड़ जाता। लेकिन इस बार दिल्ली को बीजेपी के रूप में डबल इंजन की सरकार मिल गई और जनता ने मोदी के चेहरे पर विश्वास किया। जैसा कि बीजेपी अंत तक सीएम चेहरे की घोषणा नहीं करती तो दिल्ली को लेकर भी वही रणनीति अपनाई और कामयाब भी हुए। आम आदमी पार्टी की स्थिति इतनी दयनीय हुई कि चोटी के नेता भी अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

यदि सबसे पहले आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बात करें तो वह भी नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा से हार गए। वहीं पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा, वह जंगपुरा से लड़े थे। सतेन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज व दुर्गेश पाठक समेत कुछ अन्य बड़े चेहरे भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। हालांकि मौजूदा सीएम आतिशी ने अपनी सीट जीतकर थोड़ी सी साख बचा ली। लेकिन अब आम से लेकर खास तक के मन में एक ही प्रश्न है जिस पार्टी ने दो बार पूर्ण बहुमत से रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी, आखिर उसका किला इतनी बुरी तरह क्यों ढह गया।

शराब घोटाले का लगा दाग

वैसे तो कई कारण रहे लेकिन कुछ मुख्य वजहों से आम आदमी पार्टी की स्थिति खराब होती चली गई। सबसे पहली व बड़ी वजह शराब नीति बनी जिसकी वजह से दिल्लीवासियों ने अपने आप को बहुत ठगा व कुंठित महसूस किया। शराब नीति के तरह दिल्ली के हर एक वार्ड में तीन शराब के ठेके खोले गए थे और वह उन जगहों में खोले गए जो कॉलोनी के बीचोंबीच थे। इस बात से जनता बहुत नाराज हुई थी। मामला यहां तक पहुंच गया था कि आप अपने दामन पर लगे शराब घोटाले के दाग को छुड़ा नहीं पाई। बीजेपी ने पिछले तीन साल में इस मुद्दे पर जमकर घेरा। हालात यह थी कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और राज्य सभा सांसद संजय सिंह को जेल जाना पड़ा।

जल बोर्ड घोटाला भी बना मुद्दा

बीजेपी इस मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन करती रही और घेरती रही। बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे को गर्म रखा और हर जगह इस घोटाले की चर्चा करते रहे। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड घोटाला ने भी आप को परेशान किया। इस मामले

में ठेकेदारों से पैसे वसूलने के लिए ठेकों को कम पैसे पर छोड़ने का आरोप लगा था। इस मामले की जांच अब तक ईडी कर रही है। अरविंद केजरीवाल इस मामले में भी आरोपी हैं।

इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना भी आम आदमी पार्टी को भारी पड़ा और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं हुआ तो आप-कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए, जैसा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच ज्यादा समय नहीं था तो जनता बातों को भूल भी नहीं पाई।

आप विधायकों ने छोड़ा साथ

इससे जनता में अविश्वास बढ़ा। साथ ही बीजेपी के लिए सोने पर सुहागा इसलिए भी हो गया कि दिल्ली में जब चुनाव प्रचार चरम पर था तो आम आदमी पार्टी के सात विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

इससे पहले आप के कई कैबिनेट मंत्री भी पार्टी का साथ छोड़कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए थे। इनमें कैलाश गहलोत और राजेंद्र पाल गौतम मुख्य माने जा रहे थे।

बता दें कि ये दोनों नेता कभी 'आप' के मुख्य चेहरा हुआ करते थे। इस बात का भी असर आप के चुनाव परिणाम पर पड़ा।

स्वाति मालीवाल का पिटाई कांड

आम आदमी पार्टी लोगों में यह धारणा बना पाने में नाकाम रही कि पार्टी में सबकुछ ठीक-ठाक है और वहां नेतृत्व का कोई संकट नहीं है लेकिन सच्चाई सबको पता चल गई। स्वाति मालीवाल के पिटाई कांड से भी पार्टी को बड़ी क्षति हुई और उस कांड के बाद स्वाति ने अपनी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और पार्टी की आंतरिक बातों को बाहर उजागर करना शुरू कर दिया। बीते लगभग 6 महीने से स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ एक मुहिम सी छेड़ दी जिससे पार्टी के कुछ अन्य नेताओं का भी विश्वास टूटा, साथ ही जनता में एक बड़ा नकारात्मक संदेश गया और पार्टी को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस भले ही कोई सीट नहीं जीत पाई हो लेकिन वह अपना वोट फीसदी बढ़ा पाने में कामयाब रही है। कांग्रेस को 2020 के चुनाव में 4.26 फीसदी वोट मिले थे और इस बार लगभग 7 प्रतिशत वोट मिले।

कांग्रेस को जितना भी वोट प्रतिशत बढ़ा वो आम आदमी पार्टी का ही माना जा रहा है। इन तमाम बड़े मुद्दों को बीजेपी ने जमकर भुनाया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे ने कई 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे से कई राज्यों में बीजेपी को जीत में मदद मिली। दिल्ली में योगी के इस नारे का जादू चला और योगी ने कुल 14 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था जिसमें से 11 सीटों पर जीत मिली है।

भाजपा का आक्रामक प्रचार

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री के अलावा भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई बड़े चेहरों ने जमकर प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया।

इस बार भाजपा की ओर से बहुत पहले से ही माहौल बना हुआ था और जिस ऊर्जा के साथ लड़ रहे थे उससे यह तो तय हो गया था कि इस बार खेल बड़ा होगा। बीजेपी ने दिल्ली तो जीत ली लेकिन दिल्ली वालों का दिल जीतना अभी भी बाकी है। चूंकि पार्टी ने आम आदमी पार्टी के तर्ज पर जितनी बड़ी घोषणाएं की हैं उसको पूरा करना व निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा चूंकि बीजेपी अब तक भी आप को फ्री की योजनाओं को लेकर घेरती रही। अब बीजेपी के लिए भी खेल गुणवत्ताओं पर चलेगा चूंकि दावों और वादों की झड़ी बहुत ज्यादा व बड़ी है।

जैकेट के शेष

जनता ने दिया जवाब....

जीत है। साय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली के दिल में मोदी। दिल्ली विस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को मूलमंत्र मानते हुए सभी वर्गों की चिंता कर रहे हैं। इससे दिल्ली की जनता का विश्वास भाजपा और माननीय प्रधानमंत्री जी पर बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की जनता को अच्छे से पता है कि प्रदेश का विकास भारतीय जनता पार्टी से ही संभव है और इस प्रचंड जीत पर दिल्ली की देवतुल्य जनता का आभार और भाजपा कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।

अकलतरा का मिथक ....

उनके मुख्यमंत्री की कुर्सी चली गई है। विदित हो कि साल 1959 में कैलाश नाथ काटजू अकलतरा रेलवे स्टेशन में अपने साथियों से मिलने आए और चाय पी थी। अकलतरा स्टेशन में चाय की चुस्की उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल की आखिरी चुस्की थी। उसके बाद उनकी सीएम की कुर्सी चली गई। फिर साल 1973 में मुख्यमंत्री प्रकाश चंद सेठी भी अकलतरा आए और यहां से जाने के बाद मुख्यमंत्री पद से हाथ धो बैठे। इतना ही नहीं साल 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री अजित जोगी भी अकलतरा में सभा किए और उन्हें भी मुख्यमंत्री पद नहीं मिला। 15 साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद डाक्टर रमन सिंह भी साल 2018 में अकलतरा विधानसभा के कार्यक्रम शामिल हुए थे। यह भी उनके मुख्यमंत्री रहते हुए अकलतरा पहले और आखिरी बार आना साबित हुआ। 2018 के विधानसभा चुनाव में उनकी सरकार चली गई और उन्हें भी सीएम पद से हाथ धोना पड़ा। इधर 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अकलतरा पहुंचे थे, उन्होंने अकलतरा के शास्त्री चौक में रोड शो किया था, इसके बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम आया तो उनकी भी कुर्सी चली गई। उल्लेखनीय है कि 2023 के चुनाव में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान एवं असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिस्व सरमा अब देखना यह है कि उनका राजनीतिक भविष्य क्या होगा।

पेज 1 के शेष

अवैध शराब का...

पर कमीशन भी दिया जाता है। इससे शराब की कीमत में खासा अंतर आ जाता है। इसके कारण एमपी से तस्करी ज्यादा मात्रा में हो रही है। झारखंड और ओडिशा में शराब की कीमत छत्तीसगढ़ से कम है, जिसके कारण इन जगहों से भी शराब की तस्करी हो रही है। दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में शराब की कीमतें बेहद कम हैं। वहां से भी शराब छत्तीसगढ़ में लाकर खपाई जाती है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन ने 1 सितंबर 2024 से शराब की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। इसमें 160 रुपए बढ़ाए गए थे। पौव्वा में 60 रुपए और बीयर में 30 रुपए बढ़ाए गए थे। ब्रांड को लेकर अब भी सप्लाई कम है, इस वजह से बाहर से मंगाई जाने वाली शराब की डिमांड ज्यादा है। सरकार ने सालभर में दूसरी बार शराब के दाम बढ़ाए थे।

5 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार सरकारी, तस्करी दो सौ करोड़ से ज्यादा : आबकारी विभाग के मुताबिक प्रदेश में देशी-विदेशी की 662 शराब दुकानें इस समय संचालित हैं। प्रतिवर्ष 5 हजार करोड़ से ज्यादा का कारोबार है। जनवरी 2019 से जनवरी 2021 प्रदेश भर में शराब तस्करी के 6560 मामले सामने आये थे। इसमें 5.71 करोड़ रुपए की शराब जब्त हुई। इसमें से 28 हजार 350 लीटर शराब दूसरे राज्यों से तस्करी कर लाई गई थी। इसकी कुल कीमत एक करोड़ 37 लाख 20 हजार 432 रुपये आंकी गई है। इधर पिछले एक साल में ही ढाई करोड़ से ज्यादा की शराब जब्त की जा चुकी है। इसमें अधिकांश शराब मध्य प्रदेश लाकर खपाई जा रही थी। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों से भी कुछ मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र की शराब सीमावर्ती क्षेत्रों से, ओडिशा सीमा से लगे महासमुंद, रायगढ़ जैसे जिलों में ओडिशा की शराब मिलती है। बस्तर के सुकमा जैसे जिलों में तेलंगाना में बनी शराब भी पकड़ी गई थी, जबकि सरगुजा की तरफ झारखंड की शराब पकड़ी गई थी।

पाटन कांग्रेस नेता के...

सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम कुम्हारी से ट्रक एमपी 46 एच 0513 का पीछा कर रही थी। इस दौरान ग्राम फुंडा चौक लोहरसी में पुलिस की टीम ट्रक को पकड़ने के लिए पहुंची थी। ट्रक को रोक करने पर उसमें तीन लगो सवार थे।पुलिस ने रोक कर तीनों से पूछताछ करना शुरू कर दिया। इस दौरान अपना नाम ट्रक चालक ओझर नागरवाडी जिला बड़वानी एमपी निवासी आजम अंसारी, क्लीनर संतोष मानकर को कुम्हारी संतोष सोनी नामक व्यक्ति ट्रक को पाटन ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा के फार्म हाउस तक लेकर जा रहा था। चालक से वाहन में रखे सामान को लेकर जानकारी लेने पर बताया कि 50 पेटी अवैध शराब गोवा भरे होने की जानकारी दी। जिसे एमपी से लेकर यहां ला रहा था। ट्रक को पायलेटिंग कर यहां लाया गया है। इस पुलिस ने कुम्हारी निवासी आकाश अग्रवाल, जंजगिरी कुम्हारी तुलेश साहू, कुम्हारी हेमंत राय, संतोषी नगर टिकरापारा रायपुर कमल किशोर गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने कार सीजी 07 सीडी 0622, बाइक सीजी 04 टीएस 9097 को जब्त किया है। शराब समेत सामानों की कीमत 62 लाओख 4 हजार रुपए आंकी गई है। शराब मिलने के बाद ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा फरार होना बताया जा रहा है। पुलिस उसे खोजने में जुटी हुई है।

फार्म हाउस में मिली अवैध शराब : फुंडा के वर्मा फार्म हाउस में एमपी का शराब उतरा था। जानकारी मिलते ही आबकारी विभाग, एसीसीयू,उड़नदस्ता टीम के साथ दबिश देने पहुंचे थे। अवैध शराब को लेकर सात आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। जिस फार्म हाउस में अवैध शराब का जखीरा उतरा था, वह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा का होना बताया गया है। - अभिषेक झा, एएसपी ग्रामीण

शराब घोटाले का असर : कांग्रेस सरकार में जो शराब घोटाला हुआ है, उसका असर आज भी दिख रहा है। पाटन के विधायक और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल की शराब घोटाले की नीति का यह असर आज भी है। कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा के यहां शराब पकड़ाई है। शराब होटल में कांग्रेस की सरकार ने शराब दबा कर रखी है। - विजय बघेल, सांसद दुर्ग

विष्णु देव सरकार षडयंत्र से फंसा रही है : पहले पुलिस पहुंची फिर ट्रक पहुंचा फिर दरवाजा खोलकर शराब अनलोड कराया गया। अब विष्णु देव सरकार षडयंत्र कर कांग्रेसियों को फंसाया जा रहा है। इससे स्पष्ट हो रहा है भाजपा पूरी तरह डरी हुई है। ये तो साजिश है पुलिस वाले खुद चुनाव लड़ रहे हैं। - भूपेश बघेल, पूर्व सीएम

ऐसे समझिए... दिल्ली में...

बढ़ोतरी हुई। मध्य प्रदेश में इन ब्रांडेड शराब की कीमत 2300 से 2500 रुपए के बीच है। इसके अलावा दिल्ली जैसे राज्यों में मिडियम रेंज की शराब 600 से 800 रुपए में उपलब्ध हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में ये 1100 से लेकर 1600 रुपए में मिल रही हैं। इसमें ब्लंडर स्प्राइड, मेग्डावल, सिग्नेचर, रॉयल स्टेग, रॉयल चैलेंज, अमेरिकन प्राइड जैसी शराब शामिल हैं। 1 सितंबर को नई दरे लागू की गई, उसके बाद व्हाइट एंड ब्लू, फ्रंटलाइन, विडंसर, रॉयल पैशन, आपटर डार्क, ऑल सीजन, वाइट रैबिट, ब्लैक एंड व्हाइट, 100 पाइपर्स डिलक्स, एसी ब्लैक, डबल ब्लैक के साथ ही जम्मू डिलक्स विस्की के रेट बढ़ाए गए।

केवल वाहन चालकों पर...

से लाई जा रही है लेकिन ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाही नहीं की जाती। रैकेट तोड़ने के लिए प्रयास नहीं होते। उसकी कई वजह भी बताई जाती हैं। जिसमें ऊपर से नीचे तक, मिलीभगत भी एक कारण है।

आठ की मौत, आरोप...

घर की शादी में भोजन किया था। यह भी बताया गया कि पिछले चार दिनों के भीतर अन्य 7 लोगों की मौत हो गई है। इन सभी ने कोमल लहरे से अवैध महुआ शराब खरीदकर पी थी और शादी में भोजन किया था। इन सभी मृतकों का अंतिम संस्कार हो गया है। आनन फानन में पुलिस राजू सुनहले का शव लेकर पोस्टमार्टम कराने सिम्स पहुंची। अस्पताल में शव का पीएम कराया गया।

प्रशासन ने कहा, मौतों...

अन्य सभी मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। जिनकी मृत्यु की सूचना प्रशासन को नहीं दी गई है। रामू सुनहले का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट में लिखा है कि मृत्यु का कोई विशेष कारण अभी नहीं बताया जा सकता है। बिसरा, हिस्टो पैथोलॉजी एवं ब्लड एनालिसिस रिपोर्ट के बाद मृत्यु के कारण का निष्कर्ष निकाला जा सकेगा।

डीएनए में पुष्टि, बदल...

हर्ष का माहौल है। शबाना को शक था कि उसके पास जो बच्चा है, वह साधना का है। साधना के पास जो बच्चा है, वह शबाना का है। इसके बाद उसने जिला अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बच्चा जिला अस्पताल में ही डॉक्टरों को सौंप दिया था। खुद भी जिला अस्पताल में इस मामले के सुलझने तक भर्ती हो गई थी। अस्पताल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही के कारण दो नवजात शिशु जन्म लेते ही आपस में बदल दिए गए थे। जन्म के आठ दिन बाद जब दोनों परिवार अपने घर पहुंचे, तब जाकर उन्हें शिशुओं के अदला-बदली की जानकारी मिली।

ऐसा रहा पूरा मामला : 23 जनवरी को शबाना कुरैशी और साधना सिंह ने दोपहर 1:25 बजे और 1:32 बजे अपने-अपने बेटों को जन्म दिया। अस्पताल में नवजात शिशुओं की पहचान के लिए जन्म के तुरंत बाद उनके हाथ में मां के नाम का टैग पहनाया जाता है। जिससे किसी तरह की अदला-बदली न हो। इसी प्रक्रिया के तहत दोनों नवजातों की जन्म के बाद अपनी-अपनी माताओं के साथ तस्वीरें भी खींची गईं, लेकिन लापरवाही के चलते जब साधना सिंह लिखा हुआ बच्चा शबाना कुरैशी के पास चला गया और शबाना कुरैशी लिखा हुआ बच्चा साधना सिंह के पास था। इस गलती का खुलासा 8 दिनों के बाद तब हुआ जब शबाना कुरैशी के परिवार ने ऑपरेशन के तुरंत बाद ली गई तस्वीरों को देखा। तब परिवार ने ध्यान दिया कि उनके असली बच्चे के चेहरे पर तिल (काला निशान) नहीं था। यह जानकारी मिलते ही शबाना कुरैशी के परिवार में हड़कंप मच गया था।

जंगल में शराब...

के बार्डर धौराकोना के जंगल में लीलागर नदी के किनारे टेंट लगाकर ग्रामीणों के द्वारा भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बनाई जा रही है। एसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर श्री सतपथी ने 18 महिला व पुरूष अधिकारी व जवानों के साथ सिविल ड्रेस में एनटीपीसी का हेलमेट पहनकर जंगल में चारों ओर से घेराबंदी करते हुए दबिश देकर टेंट लगाकर अवैध शराब बनाने वाले 8 ग्रामीणों को पकड़ लिया। उनके पास से 1600 लीटर शराब बरामद की गई है। बताया जाता है उक्त ग्रामीण लंबे समय से बीच जंगल में अवैध महुआ शराब बनाकर पूरे क्षेत्र में बिक्री कर रहे थे। पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत शराब व टेंट का सामान जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पकड़े गए आरोपी : अवधराम यादव पिता परदेशी यादव धौराकोना, साधराम यादव पिता परदेशी धौराकोना, शिवकुमार धनवार पिता दीपक दौराभाठा, कोंदा कुमार धनवार पिता यंदर लाल धनवारी हरदीबाजार, धनिराम धनवार पिता बहोरिक राम धौराकोना नवाडीह, संजू धनवार पिता मंगल सिंह धौराकोना, अंजोर कुमार धनवार पिता मत्थू राम धनवार हरदीबाजार, रामलल्ला यादव पिता अकबर यादव धौराकोना, अवधराम यादव पिता परदेशी धौराकोना।

आम सूचना

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री शान्वी देवांगन पिता सियाराम देवांगन जाति कोष्टा निवासी ग्राम-लोहरसी तहसील एवं जिला-धमतरी (छ.ग.) का स्थाई निवासी हूं, मेरी पुत्री शान्वी देवांगन के नाम आधार कार्ड में चेष्ठा देवांगन अंकित हो गया है। मेरी पुत्री शान्वी देवागंन है उनके आधार कार्ड में त्रुटिवश चेष्ठा देवांगन अंकित हो गया है सुधार कर सही नाम शान्वी देवांगन कराना चाहता हूं क्योंकि उनके अन्य समस्त शासकीय दस्तावेज एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में शान्वी देवांगन ही अंकित है। शान्वी देवांगन सही नाम होने एवं चेष्ठा देवांगन आधार कार्ड में भूलवश दर्ज है। जिसे सुधारा जाना आवश्यक है।

उपरोक्त चेष्ठा देवांगन के स्थान पर शान्वी देवांगन पिता सियाराम देवांगन माता का नाम पार्वती देवांगन कराना चाहता है जिसमें किसी भी व्यक्ति, फर्म, संस्था, निकाय, बैंकिग गैर बैंकिंग व कंपनी को कोई भी दावा-आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के पन्द्रह (15) दिनों के भीतर अपना दावा-आपत्ति मय पुख्ता आपत्ति के दस्तावेज सहित मेरे लिखाए नीचे पता में कर सकता है म्याद् अवधि पश्चात नाम परिवर्तन के आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सो आम जनता को सूचनार्थ ईश्तहार/आम सूचना प्रकाशित किया जा रहा है।

सो सूचना जाने।

भवदीय
सियाराम देवांगन पिता श्री गोपाल देवांगन
निवासी ग्राम-लोहरसी
तह. व जिला-धमतरी छ.ग.
मो.नं.-98265-08882

समक्ष-प्रथम मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बालोद, जिला बालोद (छ.ग.)

क्लेम प्रकरण क्रमांक-177/2024
प्रोसेस क्रमांक-111/2005

श्रीमती डॉली अंचल यादव वगैरह .... **आवेदक**
विरूद्ध
राजेश्वर साहू वगै. .... **अनावेदकगण**

बनाम- खेमसिंग सोढी पिता बैजनाथ सोढ़ी, उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम कराटी वार्ड क्रं. 13, आलवाड़ प्लॉटपारा, थाना बेनूर जिला कोण्डागांव, (छ.ग.)

आप अनावेदकगण के खिलाफ आवेदक द्वारा धारा 166 एवं 140 मोटरयान अधिनियम 1988 के अंतर्गत क्षतिपूर्ति राशि 1,60,00,000/- रूपए दिलाये जाने बाबत आवेदन पेश किया गया है, जो कि आपके स्वामित्व (बीमाकर्ता कंपनी) के वाहन स्कार्पियो क्र. सी.जी 17/के.एच./3215 से हुई दुर्घटना में मृत्यु हो जाने के बारे में पेश की गई है।

इस मामले में आगामी नियत पेशी **तारीख 05/03/2025** को दिन के 11.00 बजे खुद या ऐसे वकील के मार्फत जिसे कि तुम मुकदमे की बातें ठीक-ठीक तौर से समझा दी गई हो और जो मुकदमे के बारे में कुछ जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या जिसके साथ कोई ऐसा आदमी मौजूद हो जो कि, ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमे का जवाब देने के लिए हाजिर हो जाओ और तुम्हारी हाजिरी के लिए मुकर्रर किया हुआ दिन मुकदमे के आखिरी फैसले के वास्ते रखा जाने की वजह से तुम्हें उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रखना होगा, कि जिस पर तुम अपने बचाव की पुष्टि के लिए भरोसा रखना चाहते हो।

तुम्हें ताकिद की जाती है कि यदि तुम तारीख मजूकर पर हाजिर न होओगे, तो तुम्हारे गैरहाजिरी में मुकदमे की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा, यदि मुकर्रर तारीख को अवकाश घोषित हो जावे या किसी कारणवश न्यायालयीन कार्य स्थगित हो जावे तो प्रकरण की सुनवाई उसके अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज **तारीख 31 माह 01 सन् 2025** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
(किरण कुमार जांगड़े)
प्रथम मो.दु. दावा अधिकरण बालोद
जिला बालोद (छ.ग.)

राशिफल

मेष – वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष – आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ – स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

शब्द पहेली - 5773

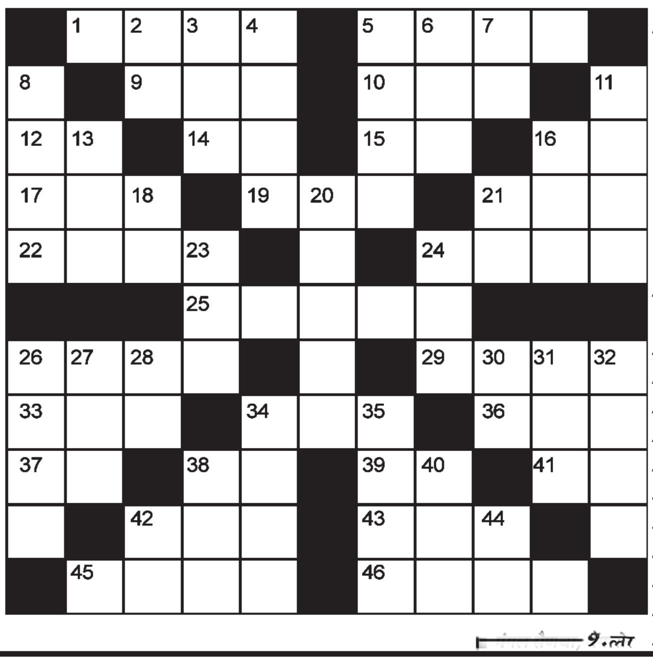

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5772 का हल

सूडोकु नवताल 5783

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5782 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

तरकश

संजय के. दीक्षित

पड़ोसी गांवों, दो डीजीपी

छत्तीसगढ़ राज्य के 24 साल में अब तक 12 डीजीपी बने हैं। इनमें छह यूपी से रहे। प्रथम डीजीपी श्रीमोहन शुक्ला, आरएलएस यादव, अशोक दरबारी, एएन उपध्याय, डीएम अवस्थी और अब अरुणदेव गौतम। वैसे यह जानकर आप चौकेंगे कि डीएम अवस्थी और अरुणदेव गौतम अगल-बगल जिले के ही नहीं बल्कि अगल-बगल गांव से हैं। डीएम कानपुर जिले के महौली गांव के रहने वाले हैं। और अरुणदेव फतेहपुर जिले के बॉर्डर गांव अभयपुर के। अभयपुर फतेहपुर जिले में जरूर आता है। मगर बॉर्डर के गांव होने की वजह से महौली और अभयपुर अगल-बगल में है। डीएम और अरुण आईपीएस बनने से पहले से एक-दूसरे को जानते थे। डीएम छत्तीसगढ़ के 10वें डीजीपी बने और अरुणदेव 12वें।

यूपी जीता, बिहार....

छत्तीसगढ़ के डीजीपी के लिए 92 बैच के दो आईपीएस अधिकारी प्रमुख दावेदार थे। पवनदेव और अरुणदेव गौतम। पवन बिहार से हैं और अरुण यूपी से। पवनदेव बैचवाइज सीनियर थे और अरुण उनके बाद। डीजीपी पद के दोनों प्रमुख दावेदार मुख्य पोलिसिंग से पिछले पांच-सात साल से बाहर थे, इसलिए 94 बैच के हिमांशु गुप्ता भी उम्मीद से थे। मगर गंगा किनारे वाले अरुणदेव की कुंडली में गुरू के घर में बुध बैठा है। मौनी अमावस्या से पहले वे प्रयागराज में अमृत स्नान करके आ गए थे। सो, उन्हें इसका लाभ मिल गया।

नए डीजीपी और चुनौतियां

अरुणदेव गौतम अभी प्रभारी डीजीपी हैं। यूपीएससी से पेनल आने के बाद फिर सरकार पूर्णकालिक डीजीपी अपाइंट करेगी। हालांकि, प्रभारी डीजीपी को ही आमतौर पर कंटीन्यू किया जाता है। सरकार ने अरुणदेव को इस पद के लिए चुना है तो इसमें कोई संशय नहीं कि आगे चलकर अपना मन बदल देगी। मगर इससे अरुणदेव की चुनौतियां कम नहीं हो जाती। नक्सल मोर्चे पर उन्हें बड़ा टास्क मिला है। मैदानी इलाकों की पोलिसिंग खतम हो चुकी है। एसपी से लेकर नीचे तक का अमला मनीराम की गिरफ्त में है। पवनदेव के रिटायरमेंट में अभी चार साल बचे हैं। तो जीपी सिंह की सुपरसोनिक रफ्तार देखकर लोग हैरान हैं। लोगों ने देखा ही...अशोक जुनेजा 4 फरवरी की शाम रिटायर हुए, उससे चंद घंटे पहले जुनेजा की खाली जगह पर जीपी को डीजी बनाने डीपीसी हो गई। अलबत्ता, अरुणदेव का एक बड़ा प्लस है कि उनकी छबि साथ-सुथरी है। मगर सिर्फ इससे काम नहीं चलेगा। मृतप्राय जैसी हो गई पोलिसिंग में प्राण फूंकने के लिए उन्हें कुछ एक्सट्रा करना होगा।

गुप्त काल से पहले सिंहकाल?

अरुणदेव के डीजीपी बनने पर पुलिस महकमे में लोग खूब मौज काट रहे हैं। आईपीएस के व्हाट्सएप ग्रुपों में मैसेज चल रहा...देव युग के बाद गुप्त काल आएगा या उससे पहले सिंह काल प्रारंभ हो जाएगा। जाहिर है, 94 बैच में हिमांशु गुप्ता और 95 बैच में प्रदीप गुप्ता आगे चलकर डीजीपी के प्रबल दावेदार होंगे। मगर उससे पहले कहीं जीपी सिंह डीजीपी बन गए तो फिर उनका रिटायरमेंट 2030 में है। तब तक कई दावेदार रिटायर हो जाएंगे।

छह साल की एक पोस्टिंग

छत्तीसगढ़ के सबसे सीनियर आईपीएस पवनदेव को पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन में छह साल से ज्यादा वक्त हो गया है। हो सकता है, सरकार ने उनकी वरिष्ठता को ओवरलुक किया है तो उन्हें कोई सम्मानजनक पोस्टिंग दे। डीजी लेवल के प्रदेश में तीन पद हैं। जेल, होमगार्ड और लोक अभियोजक। जेल में इस समय हिमांशु गुप्ता डीजी हैं। अरुणदेव के पुलिस प्रमुख बनने के बाद होमगार्ड अभी खाली है। वैसे जानकारों का कहना है कि 94 बैच के तीनों आईपीएस अधिकारियों को पीएचक्यू से अलग पोस्टिंग सरकार कर सकती है। क्योंकि, अरुणदेव 92 बैच के हैं, इसलिए पीएचक्यू में दूसरे नंबर के अफसरों तो कम-से-कम तीन-से-चार बैच जूनियर होना चाहिए। वरना, समन्वय गड़बड़ाता है। विश्वरंजन के समय तो आईजी बेस्ड पीएचक्यू हो गया था। सारे एडीजी, डीजी पीएचक्यू से बाहर हो गए थे।

अब मुख्य सचिव

डीजीपी अशोक जुनेजा का युग समाप्त होने के बाद छत्तीसगढ़ में अब नए मुख्य सचिव की चर्चाएं शुरू हो गई है। हालांकि, अमिताभ जैन के रिटायरमेंट में अभी चार महीने से ज्यादा समय बचा है मगर कार्यपालिका के इस सबसे बड़े पद के दावेदारों को लेकर अटकलों का बाजार फिर गर्म हो गया है। अमिताभ जैन के बाद सीनियरिटी में पहले नंबर पर रेणु पिल्ले हैं और उनके बाद सुब्रत साहू। चर्चाओं में आईएएस ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ का नाम भी है। अब देखना होगा, सरकार किस पर अपना भरोसा व्यक्त करती है। अलबत्ता, लोग तो चुटकी इस पर भी ले रहे कि दिल्ली से कोई पर्ची आ जाए, इससे पहले सरकार को अपन चयन कर लेना चाहिए।

पीसीसीएफ को अभयदान?

डीजीपी के साथ ही पीसीसीएफ श्रीनिवास राव के बदलने की अटकलें भी तेज थी। श्रीनिवास को पिछली सरकार ने सात आईएफएस अफसरों को सुपरशीड कर वन बल प्रमुख बनाया था। इस पर काफी बवाल मचा था। इस पद के दावेदारों की छत्तीसगढ़ में कमी नहीं है...वे हरसंभव प्रयास भी कर रहे हैं। मगर श्रीनिवास राव के औरा के सामने टिक नहीं पा रहे। पता चला है, उन्हें फिर से अभयदान मिल गया है।

बड़ी सर्जरी

नगरीय निकाय चुनाव के बाद विष्णुदेव साय सरकार सूबे में अहम प्रशासनिक सर्जरी करेगी। धमतरी, दुर्ग समेत आधा दर्जन कलेक्टर बदले जाएंगे। दुर्ग कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी डेपुटेशन पर जा रही हैं। सीजीएमएससी की एमडी को भी चेंज किया जाएगा। पता चला है, सरकार अब ठोक बजाकर पोस्टिंग करेगी। असल में, उपर की सिफारिशों पर सरकार पोस्टिंगे दे देती है मगर गड़बड़झाला की जिम्मेदारी सिफारिश करने वाले नहीं लेते। पूरा ठीकरा सरकार पर फूटता है। याने खाए-पीए कुछ नहीं गिलास फोड़े बारह आना। सरकार की मुसीबत यह रहती है कि नेताओं की सिफारिश न मानें तो कहा जाता है सीएम हाउस सुन नहीं रहा और उनकी बात मान लिया तो सरकार की भद पिटती है। जाहिर है, सीजीएमएससी एमडी की इसमें कोई गलती नहीं। गलती बनवाने वालों की है।

कलेक्टर की दावेदारी

कलेक्टर बनने के लिए आईएएस अफसरों की दावेदारी प्रारंभ हो गई है। धमतरी और दुर्ग दोनों जिला खाली हो रहा है। दोनों ठीकठाक पोस्टिंग मानी जाती है। दोनों जिले राजधानी रायपुर से लगे हुए हैं। कलेक्टर बदलने वाले जिले में खैरागढ़ का नाम भी आ रहा है। पुअर परफार्मेंस वाले दो-तीन जिलों के कलेक्टर और बदले जाएंगे। इसके लिए ब्यूरोक्रेसी के गलियारों में जोर-तोड़ शुरू हो गई है। 2011 बैच के चंदन कुमार की कलेक्टर के रूप में इंट्री हो सकती है तो इस बैच के एक आईएएस को कलेक्टरी से वापिस बुलाया जा सकता है। सुबह से कैलकुलेटर लेकर बैठ जाने वाले दो-तीन कलेक्टर सरकार के राडार पर हैं। मनरेगा का काम ठेकेदारी में कराने वाले एक कलेक्टर की कुर्सी भी खिसक सकती है। सीएम सचिवालय कलेक्टरों के कार्यों का बारीकी से मूल्यांकन कर रहा है। काम कम, दिखावा ज्यादा वाले कलेक्टरों की अब नहीं चलेगी।

सीआईसी कौन?

एमके राउत के रिटायर होने के बाद पिछले तीन साल से खाली पडे.मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस पद के लिए मुख्य सचिव अमिताभ जैन, निवर्तमान डीजीपी अशोक जुनेजा, पूर्व मुख्य सचिव आरपी मंडल और पूर्व डीजीपी डीएम अवस्थी समेत 58 आवदेन आए हैं। सरकार ने जीएडी से आवदेनों की फाइलिंग करने कहा था। मगर स्कूटनी का एक लोचा आ गया है। पिछले महीने अंजलि वर्मा वर्सेज भारत सरकार केस में सुप्रीम कोर्ट ने सीआईसी के लिए कमेटी बनाकर स्कूटनी करने कहा था और यह भी कि अब बताना होगा कि किस आधार पर नियुक्ति की जा रही है। हालांकि, ये बहुत बड़ा इश्यू नहीं है। जीएडी स्कूटनी कमेटी बनाने की तैयारी कर रहा है। कह सकते हैं...सीआईसी की नियुक्ति जल्दी होगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि अमिताभ, जुनेजा, मंडल और डीएम में से किसे सीआईसी की कुर्सी मिलती है। वैसे सीटिंग चीफ सिकरेट्री का पौव्वा ज्यादा होता है मगर निवर्तमान डीजीपी को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। हालांकि, जुनेजा को गृह विभाग का सलाहाकार बनाए जाने की भी खबरे तैर रही हैं। जुनेजा से पहले आरएलएस यादव, आरएल वर्मा और आरपी मोदी सलाहकार रह चुके हैं। यादव और वर्मा अजीत जोगी के शासनकाल में और मोदी रमन सिंह के समय एडवाइजर रहे। बहरहाल, बजट सत्र के दौरान सीआईसी के लिए सलेक्शन कमेटी की बैठक हो सकती है।

ईवीएम पर ठीकरा

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के लोग अगर अभी से ईवीएम को निशाने पर लेने लगे हैं, तो इसका मतलब 15 फरवरी को कुछ अलग होने वाला है। दरअसल, कांग्रेस इस चक्कर में धोखा खा गई कि चुनाव मई से पहले नहीं होगा। सो, तैयारी रही नहीं उपर से आपसी गुटबाजी को रोकने के लिए पार्टी ने कोई कदम नहीं उठाया। छत्तीसगढ़ में सरकार होने के बाद भी प्रदेश प्रभारी नीतीन नबीन कई राउंड के दौरे कर गए मगर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट का पूरे चुनाव में कोई पता नहीं चला। उधर, रही-सही कसर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने महाराज के नेतृत्व में अगला चुनाव कराने का राग अलाप कर पूरा कर दिया। जंग में जब आमने-सामने सेना खड़ी हो, उस दौरान नए कमांडर की चर्चा छेड़ दिया जाए तो जाहिर है कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ेगा ही। बहरहाल, ऐसा प्रतीत होता है कि सीएम विष्णुदेव साय के हाथ की लकीरें पूर्व मुख्यमंत्रियों से भी ज्यादा सूर्ख हो गई है। सियासी पंडितों का कहना है कि इस बार ऐसे नतीजे आएंगे, जो कभी नहीं आए। जाहिर है, राज्य के मुखिया के खाते में ही ये क्रेडिट जाएगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. छत्तीसगढ़ के 10 नगर निगमों में बीजेपी और कांग्रेस के कितने महापौर चुने जाएंगे?
2. कौन ऐसी अदृश्य शक्ति है, जो सरकार के निर्देशों पर बनी जांच रिपोर्टों को दबवा दे रही है?

झाड़ियों में पड़ा मिला नवजात शिशु

भिलाई। झांड़ियों के बीच नवजात शिशु मिलने का मामला सामने आया है। जिसे आसपास के एक युवक ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में दाखिल कराया है। पुलिस मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 93 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुकुटनगर तितुरडीह दुर्ग के एक झाड़ी के पास नवजात शिशु रोते हुए युवक को मिला। घटना शनिवार दोपहर 1.15 बजे रायपुर नाका अंडरब्रिज के पास मुकुट नगर तितुरडीह दुर्ग के पास बने झाड़ी की घटना है। रोने की आवाज सुनकर तो युवक एक्टिवा खड़ा कर देखने पहुंचा था।

भेज्जी से मिलिशिया सदस्य गिरफ्तार

कोंटा। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मुखबिर से मिली सूचना पर थाना भेज्जी क्षेत्र के ग्राम कोत्ताचेरू व भण्डापदर के बीच जंगल-पहाड़ी के आसपास विगत दो-तीन दिनों से अज्ञात नक्सलियों के द्वारा किसी अप्रिय घटना को अंजाम दिये जाने को लेकर जिला पुलिस बल एवं 219 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी एरिया डोमिनेशन एवं नक्सलियों की धर पकड़ हेतु ग्राम भंडारपदर की ओर रवाना हुई थी। इस दौरान ग्राम भंडारपदर के जंगल में एक जनमिलिशिया सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार नक्सली का नाम वंजाम गंगा पिता स्व. वंजाम कोसा उम्र 28 वर्ष निवासी गोमपाड़ थाना भेज्जी का निवासी है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल:- 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी गार्ड , मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेतन 14500 से 18000 पता TANGO SECURITY PVT. LTD. ऑरेंज हाइव 6 फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर मो.- 8109070600, 7869230888.(RO-2476)

तत्काल आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस में कार्य करने हेतु सुरक्षा गार्ड की तत्काल आवश्यकता है अनुभव- 5 से 10 वर्ष, उम्र 30 से 40 वर्ष वेतन योग्यतानुसार कृपया अनुभवी ही संपर्क करें: - 9109972720.(RO-3272)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य हेतु प्रशिक्षित अप्रशिक्षित अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, एएनएम जीएनएम, पैरामेडिकल, वर्कर आया, रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है केजीएन चिकित्सालय बैरन बाजार फब्वारा चौक रायपुर मिले 12 से 5 तक 9425502209, 9893042209. (RO-6207)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड कपड़े की दुकान कार्य करने लड़के /लड़कियों की आवश्यकता है जय स्पोर्ट्स तनिष्क शोरूम के पीछे पंडरी रायपुर 7587145990.(RO-339)

सुपरवाइजर/काउन्सलर

Requirment- Holy Cross School Byron Bazar requires: Supervisor Councellor Office Staff PRT/TGT- English, Maths, Science, Computer, Music, Yoga, Sports. PGT- Accountancy, Business Studies, Economics, Sociology, History, Computer, English, Biology, Chemistry, Maths, Physics. Qualified fluent English Speaking trained candidate can apply by 12/02/2025. Contact no. 0771- 3554250, 4088809, E-Mail- hcbbjobs@gmail.com (RO-6215)

डेन्टल असिस्टेंट

आवश्यकता है- साड़ी मोहबा बाजार स्थित डेंटल क्लीनिक में Trained Dental assistants' एवं Computer operator की आवश्यकता है संपर्क करें:- 8889767373. (RO-3280)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-3277)

एकाउंटेंट/फिटर

आवश्यकता है- रायपुर रिश्ता लोहा बाजार में एकाउंटेंट-1, आटोकेड ऑपरेटर-1 सुपरवाइजर-2, वेल्डर-4, हेल्पर-6, टर्नर-2, कटर-1, फिटर-4, सोशल मीडिया ऑपरेटर-2, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव -2 (लड़का/लड़की) की आवश्यकता है सम्पर्क- 9893070113 (Ro-36733)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है
घरेलू वाहन (कार) चलाने हेतु
अनुभवी ड्रायवर
पुरुष -2 पद की.
लाइसेंस सहित मिलें।
नशा आदि करने वाले संपर्क ना करें।
संपर्क करें: मोती नगर, रायपुर
मो.9303389000
Aditya Advt.

आवश्यकता है- रायपुर में थ्री व्हीलर (अपे) माल वाहक ऑटो चलाने के लिए ड्राइवर की। अनुभवी को प्राथमिकता। वैध लाइसेंस,बायोडाटा के साथ संपर्क करे :- 9300905560.(RO-943)

आवश्यकता है- TATA ACE (छोटा हाथी) चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर एवं हेल्पर की औषधि वाटिका, मेडिकल कंपलेक्स डूमरताराई में आवश्यकता है। संपर्क करें- 8959884849. (RO-6214)

आवश्यकता है- तेलीबांधा के पास ऑटोमेटिक कार चलाने के लिए अनुभवी घरेलू ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन -14000/- 11 घंटे ड्यूटी संपर्क करें- 9754160228. (RO-7202)

आवश्यकता है- हर्ष मीडिया को छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में V-30 Intra- LED वेन चलाने ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभवी ड्राइवर लाइसेंस, आधार कार्ड व अन्य विवरण सहित संपर्क करें- 8225022889, 9827806026.(आरो न.-7160)

प्यून

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के हेतु (प्यून) ,साफ -सफाई एवं कार वाशिंग के लिए लड़के की आवश्यकता है। संपर्क करें:- आकाश गंगा सुपेला, भिलाई। मो. 98278-06026, 82250-22889 (आरो न.-7161)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अकाउंटेंट/ऑपरेटर

आवश्यकता है- मदर्स प्राइड हा. से. स्कूल, खम्हरिया आवश्यकता अकाउंटेंट- 03 पद, कंप्यूटर ऑपरेटर-03पद, सुरक्षा कर्मी-05 पद, ड्राइवर/परिचालक-05-05 पद, संपर्क- 78050-15500, 86023-48376 ईमेल-mpshooffice@gmail.com(RO-143)

सेल्स मैनेजर/एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- सीनियर सेल्स मैनेजर-4 (ऑटोमोबाइल प्राथमिकता) सेल्स एग्जीक्यूटिव- 4 टेलीकालर (म/पु) अनुभवी 4 गार्ड, चौकीदार, चपरासी- 4 ड्राइवर घरेलू ऑटोमेटिक कार चलाना आता हो शराबी न हो- 2 कुक महिला घरेलू अनुभवी-2 अच्छे लोगों को रहने रूम. व्हाट्सएप में रिज्यूम भेजें और मिलें रिलेक्टो इवी, सोनडोंगरी, रिंगरोड-2, आयशर शोरूम के आगे हीरापुर, रायपुर 6266919195/93.(RO-3273)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार के स्पेयर पार्ट्स दुकान हेतु 12वीं पास लड़का 01 पद, लड़की- 01 पद की आवश्यकता है स्थान (GEMS AUTOMOBILES) रिंग रोड नंबर- 1, कुशालपुर चौक , रायपुर मोबाइल व्हाट्सएप -9424250703. (RO-6213)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- तत्काल आवश्यकता बंगले में कार्य हेतु घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव: 5 से 10 वर्ष वेतन: योग्यतानुसार कृपया केवल अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें। संपर्क करें:- 9109972720.(RO-3271)

खाना मिस्त्री

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस कैन्टीन में खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने एवं बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा। पता- बिलासपुर 9993334937, 8871824812. (RO-36757)

अकाउन्टेंट/काउन्सलर

WANTED
Applications are invited from English medium candidates for the following posts latest by 20th February 2025 for MVN Bhilai and Patan.
NTT/PRT Graduate with D. Ed/ B.Ed.
TGT Graduate/ Post Graduate with B.Ed.
PGT Post Graduate with B.Ed. (2 yrs. Exp.)
ACCOUNTANT B. Com/M. Com (2 yrs. Exp.)
COUNSELLOR Graduate/ PG with fluency in English speaking
MUSIC Degree/ Diploma in Music
Librarian B. Lib/ M. Lib
PTI B.P.Ed/ M.P.Ed
MAITRI VIDYA NIKETAN
(Bhilai & Patan)
Ph: 9752545670
0788-2265128, 2265912

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -10000 रहना खाना फ्री , ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना 8871422576, 9981576163. (RO-302)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य करने के लिए ऑफिस बॉय की एवं रिसेप्शनिस्ट हेतु लड़की की आवश्यकता है वेतन 8000/- शीघ्र संपर्क करें:- 6267330635. (RO-3284)

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता,10 वी, 12 वी, संपर्क करे:-रामा मेडिटेक , गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर -15 / A, रायपुर 7089933233. (RO-935)

आवश्यकता है- आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र संपर्क करें- 8937847856, 6395268809.(RO-301)

टीचर

आवश्यकता है- लेडी इंचार्ज, क्लर्क, हिंदी- इंगलिश टाईपिंग, कम्प्यूटर टीचर, अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम- एसएसटी, इंगलिश, साइंस, पढ़ाने हेतु शिक्षक/ शिक्षिकाओं, ड्राईवर, वेल्डर की आवश्यकता। साक्षात्कार 13.02.2025 प्रात: 9:30बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी पास खमतराई, 9826198065, 07712252855. (RO-6968)

सेल्सगर्ल/मैनेजर

आवश्यकता है- रायपुर पेट्रोल पंप पर पार्ट टाइम (5.30- 11.30,) फुलटाइम नाइट ड्यूटी हेतु सेल्सबॉय, सेल्सगर्ल, एवं मैनेजर की वेतन 6000- 12500 संपर्क करें:- 8358914444 हाउसकीपिंग एवं गार्ड की भी आवश्यकता है.(RO-3283)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- कार, टाटा एस ड्राइवर + हैल्पर, हमाल, पैकिंग लड़के, डिलीवरी ब्वॉय की आवश्यकता है। संपर्क- गोकुल सुपर बाजार, पंडरी, रायपुर मो.- 7489770673, 9826183500. (RO-951)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 8918984004.(RO-3262)

आवश्यकता है- पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898.(RO-3275)

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के - लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमाऐ, फन्ड + बोनस- 09034329258..(RO-670)

Property प्रापर्टी

वाहन बेचना है- 2 कॉमर्शियल टोयोटा इटिऑस और 1 प्राइवेट डस्टर बेहतरीन कंडीशन में (वेल मेन्टेन्ड) शीघ्र बेचनी है संपर्क करें- देव ट्रेवल कर रेंटल सर्विस, रायपुर मोबाइल- 8959910211.(RO-1631)

भूमि बेचना है- अंजोरा से 6 कि. मी., ग्राम भरदा पिकनिक स्पॉट से मात्र 3 कि.मी. ग्राम बिरेझर में फॉर्म हाऊस के लिए प्लॉट उपलब्ध है। सम्पर्क :- 99814 23470.(आरो न.-670)

बेचना है- बिलासपुर में मध्य नगरी चौक में वैष्णवी अपार्टमेंट में द्वितीय तल पर 2BHK फ्लैट बेचना है। कृपया खरीदार ही सम्पर्क करें- 9764523388.(RO-36737)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82
हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए।
मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करे
9131453175

वधु चाहिए

ब्राहमण एकाकी अधिकारी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) को 40वर्ष तक की (केवल घरेलू) मित्रवत एकाकी लड़की/ महिला जीवनसाथी चाहिए (अविवाहित, विधवा को प्राथमिकता) स्वयं फोन करें
7587724442

ब्राम्हण वधु चाहिए-ब्राह्मण 40/5'-3'' ग्रोत्र- शाण्डिल्य, इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) संपर्क करे-98262 94381, 9329023361 (671)

वधू चाहिए-कायस्थ उम्र 42, शिक्षित अविवाहित मध्यम वर्गीय परिवार के वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं शीघ्र विवाह विवाह ब्यूरो क्षमा सम्पर्क करें- 93994 87577 (41249)

वर चाहिए

वर चाहिए
29 वर्षीया 5'-4" एमए, एमकॉम, रिसर्च स्कॉलर, गोंड (ध्रुव) स्वशासी महाविद्यालय में गेस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर स्मार्ट कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिये
-सम्पर्क करें-
9424399425
7987467641

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क डॉ. अहमद
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
दिन- सोमवार, मंगलवार बुधवार, 10 से 5 बजे तक रविवार, 10 से 2 बजे तक
9098889899

चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग

यदि आप सभी उपाय एवं ईलाज कराकर थक गये हो। ना ही दवा को आप छोड़ पाते है ना ही दवा आपको छोड़ता हो बीमारी बार-बार होता हो तो रस रसायन एकमात्र उपाय है। ये सदा के लिए रोग से मुक्ति दिलाकर नवजीवन प्रदान करता है। क्योंकि यह वीर्य के निर्माण के साथ इम्यून सिस्टम में काम करता है जो अचूक है। यह रोग ही नही कारण को दूर करता है।

रस- रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परंतु सटिक प्रमाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर मे जाने पर चूक नहीं सकता परंतु वात पित कफ से संबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटिक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।

(1) समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ो में दर्द, ऊंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस - जन्य रोग एच.आइ.वी.(AIDS) हेपाटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फुंसी, छाले चमड़ी का फटना, लाल होना, रुबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफलिस, गोनोरिया (सुजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान!

बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साइंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूप: इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही,

केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरस: कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्ट्य का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेम: कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधन: प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौर: प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंट: एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएं: जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकत: बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने: रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

व्लादिमीर नबोको-वेरा: व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?' शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर उन्होंने कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?' उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था। हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़ूस हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिस की सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'*(तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिका: डॉ. रचना तिवारी, मूल्य:199 रु, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफः	-19.73%
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	-14.02%
एबीएसएल स्मॉल कैप फंडः	-13.65%
बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंडः	-13.30%
फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंडः	-13.06%
डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्सः	-12.94%
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंडः	-12.89%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-12.73%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.63%
आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.59%
एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.57%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.56%
निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.46%
एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.46%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	-11.52%
एसबीआई स्मॉल कैप फंडः	-11.42%
कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.01%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	-10.86%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	-10.55%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-10.15%
कोटक स्मॉल कैप फंडः	-10%
यूनियन स्मॉल कैप फंडः	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	35%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	30.64%
इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंडः	29%
टाटा स्मॉल कैप फंडः	28%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	28%
एडलवाइस स्मॉल कैप फंडः	27.76%
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27.61%
एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंडः	27.58%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27%
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंडः	26.76%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	25.67%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	25.35%

(डिस्क्लेमरः किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बिजनेस साइट

सिंघानिया बिल्डकॉन : हर्षित अरबन सिटी में आयोजित 'क्लोजिंग फेस्ट' का आज अंतिम दिन

प्लाट खरीदने का आखिरी मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में रियल एस्टेट के क्षेत्र में अग्रणी ब्रांड सिंघानिया बिल्डकॉन को हर्षित अरबन सिटी में आयोजित प्लॉट मेला से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इसी कड़ी में सिंघानिया बिल्डकॉन ने 7 से 9 फरवरी तक क्लोजिंग फेस्ट का आयोजन किया है। जिसका आज अंतिम दिन है। ग्राहकों के पास रायपुर के प्राइम लोकेशन में प्लाट की बुकिंग कराने का अंतिम अवसर है। रायपुर शहर के केंद्र में स्थित हर्षित अरबन सिटी, रिंग रोड नं.-1, डी-मार्ट के सामने, रायपुरा में स्थित है। यहां 1000-3000 वर्गफुट के प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स किफायती कीमतों पर उपलब्ध हैं, जो एक शानदार शहरी जीवन और आधुनिक सुविधाओं के साथ आते हैं। सिंघानिया बिल्डकॉन ने इस प्रोजेक्ट के जरिए ग्राहकों को एक लक्जरी जीवन का अनुभव प्रदान किया है।

क्लासिक ग्रुप के प्रॉपर्टी एक्सपो को मिल रहा शानदार रिस्पांस, आज अंतिम दिन

रायपुर। क्लासिक ग्रुप अपनी 5वीं वर्षगांठ मना रहा है और इस अवसर पर तीन दिवसीय प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन किया गया है, जो 7 फरवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। इस एक्सपो में प्रॉपर्टी की खरीदारी पर 5% डिस्काउंट और अन्य आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इस प्रॉपर्टी एक्सपो को लोगों से काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। क्लासिक ग्रुप के प्रमोटर मो. आबिद सूर्या और विवेक का कहना है कि यह प्रॉपर्टी एक्सपो केवल एक मेला नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो रायपुर के प्राइम लोकेशन में सुविधाओं से लैस प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहते हैं। इस एक्सपो में प्रॉपर्टी की बुकिंग करने पर ग्राहकों को 5% का डिस्काउंट दिया जा रहा है, साथ ही व्हील ऑफ फॉर्च्युन में शामिल होने का मौका भी मिलेगा जिसमें एश्योर्ड गिफ्ट्स हैं। इसके अलावा, साइट विजिट पर परिवार सहित आने पर सिल्वर क्वॉइन भी दिया जा रहा है।क्लासिक टॉवर्स, क्लासिक कैसेल और सुमीत लैंडस्केप जैसे तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स में इस एक्सपो का आयोजन किया गया है। क्लासिक टॉवर्स में 2 और 3-बीएचके स्पेशियस और लक्जरी फ्लैट्स उपलब्ध हैं, जो पानी टंकी रोड, पुलिस हाउसिंग सोसाइटी के पास, अमलीडीह में स्थित हैं। इस प्रोजेक्ट में मॉडर्न लाइफस्टाइल के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। वहीं, क्लासिक कैसेल में प्रीमियम प्लॉट्स उपलब्ध हैं, जो रिंग रोड नंबर-3, कचना में स्थित हैं। सुमीत लैंडस्केप में भी प्रीमियम डेवलप्ड प्लॉट्स हैं, जो डीपीएस स्कूल के पास, विधानसभा रोड पर स्थित हैं।

बालको मेडिकल सेंटर के डॉक्टर्स ने आईएमए के 20वें सम्मेलन में लिया भाग

रायपुर। बालको मेडिकल सेंटर, नया रायपुर के कैंसर व रक्त रोग विशेषज्ञों ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के 20वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन में बालको मेडिकल सेंटर के वरिष्ठ डॉक्टरों, डॉ. नीलेश जैन और डॉ. यशवंत कश्यप ने विशेष रूप से योगदान दिया।ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार और प्रमुख डॉ. नीलेश जैन ने आधुनिक चिकित्सा में चिकित्सीय एफेरेसिसः रुझान, चुनौतियां और अवसर पर एक सत्र दिया। इसमें उन्होंने मरीजों की देखभाल, चिकित्सा प्रगति और एफेरेसिस के कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की। वहीं, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, हेमाटो-ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन में विशेषज्ञ डॉ. यशवन्त कश्यप ने 'कैंसर उपचार में नई प्रगति' विषय पर सत्र लिया। उन्होंने ऑन्कोलॉजी में नवीनतम सफलताओं और नवीन उपचारों, जैसे लक्षित उपचारों की चर्चा की।

कैंसर और रक्त रोगों पर प्रस्तुत किए महत्वपूर्ण सत्र

सुझाव

बिजनेस डेस्क

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाईब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे है? चेहरे पर मुहांसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91 0771 4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

रणजी ट्रॉफी टीम इंडिया के दरवाजे पर फिर दी दस्तक

नायर ने ठोका 22वां प्रथम श्रेणी शतक चीफ सेलेक्टर को दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे करुण नायर रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका ड्रीम रन अभी भी जारी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में विदर्भ के लिए शतक ठोका है। उन्होंने ये काम तमिलनाडु के खिलाफ किया है। विदर्भ स्टंप तक छह विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रहा। नायर शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपना 22वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में हैदराबाद के खिलाफ शतक जड़ा था।

सत्र में नायर का ये रणजी ट्रॉफी में कुल तीसरा शतक है। रणजी ट्रॉफी में उनका ये लगातार दूसरा शतक है। इससे पहले हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने शतक जमाया था और 105 रन बनाए थे। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका बल्ला जमकर चला था। इस वनडे फॉर्मेट के टूर्नामेंट में नायर ने कुल पांच शतक जमाए थे। विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार खेल दिखाने के बाद नायर के टीम इंडिया में वापसी की अटकलें थीं। माना जा रहा था कि सेलेक्टर्स उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह दे सकते हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं था। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हर किसी को टीम में फिट नहीं कर सकते क्योंकि 15 खिलाड़ी ही चुनने होते हैं।

शतक बनाकर नाबाद लौटे

नायर का साथ दानिश मालेवर ने दिया और 98 रनों की साझेदारी की। दानिश 119 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हो गए। नायर दिन का खेल खत्म होने तक टिके रहे। वह 100 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 180 गेंदों का सामना कर 14 चौके और एक छक्का मारा।

मुंबई ने की वापसी

कोलकाता। शम्स मुलानी और तनुश कोटियान की आठवें विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी के बूते गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के शुरुआती दिन शनिवार को यहां हरियाणा के खिलाफ आठ विकेट पर 278 रन बनाकर अच्छी वापसी की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 25 रन तक चार जबकि 113 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन मुलानी ने 178 गेंद में 91 जबकि कोटियान ने 154 गेंद में नाबाद 85 रन की पारी खेलकर मौजूदा सत्र में एक बार फिर से टीम को संकट से बाहर निकाला। स्टंप्स के समय कोटियान के साथ मोहित अवस्थी क्रीज पर मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 2-0 से श्रृंखला जीतने के करीब

गॉल। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन से स्टंप तक श्रीलंका के दूसरी पारी में 211 रन तक आठ विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम ने महज 54 रन की मामूली बढ़त हासिल की। मेहमान चौथे दिन सुबह श्रीलंका की दूसरी पारी को जल्दी समेटकर श्रृंखला 2-0 से जीतने के लिए लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए थे। श्रीलंका ने एक समय 81 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिससे ऐसा लग रहा था कि उसे तीन दिन में एक और पारी की करारी हार का सामना करना होगा।

रोहित की फॉर्म और कोहली की फिटनेस पर निगाह, इंग्लैंड से दूसरा वनडे आज

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की है और उसका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखकर श्रृंखला जीतना होगा।

- तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है भारतीय टीम

कोहली फिट : कोटक

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पुष्टि की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने दाहिने घुटने के दर्द से उबर चुके हैं। कोटक ने दूसरे मैच की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट कोहली खेलने के लिए फिट हैं। वह अभ्यास के लिए आए हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और पिछले मैच के अर्धशतक लगाने वाले श्रेयस अय्यर में से किसे अंतिम एकादश से बाहर किया जाएगा।

गेंदबाजी आक्रमण अच्छा

भारत का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए यह भारत के लिए अच्छा संकेत है। पिछले मैच में पदार्पण करने वाले हर्षित राणा को इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कड़ा सबक सिखाया था और वह काफी महंगे साबित हुए थे लेकिन उन्होंने बेन डकेट और हैरी ब्रुक के कीमती विकेट लेकर अच्छी वापसी की थी। अगर जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर राणा के पास चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह बनाने का मौका होगा।

तड़के हुआ सड़क हादसा, तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

परपा थाना क्षेत्र स्थित मारेंगा बाईपास मार्ग में तड़के हुए सड़क हादसे में 3 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के दौरान तीनों दोस्त एक ही बाइक से केशलूर से जगदलपुर की ओर आ रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे की खबर सुबह लोगों को लगी और इसकी सूचना परपा पुलिस को दी गई। जानकारी के मुताबिक स्थानीय मारूती शोरूम में मेकेनिक के पद पर कार्यरत दिव्यांश कारकी (24) व तेजेन्द्र ठाकुर (26) अपने एक अन्य मित्र तुषार शर्मा (24) के साथ तुषार की बाईक क्रमांक सीजी 26 ई 8661 में सवार होकर केशलूर चौक की ओर से आ रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मारेंगा बाईपास के करीब बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क से दूर होने की वजह से रात में घटना की खबर नहीं लग सकी सुबह मार्ग से आवाजाही करने वाले लोगों ने तीनों को देखकर परपा पुलिस को घटना की जानकारी दी। जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती तीनों की मौत हो चुकी थी। पंचनामा कार्रवाई के बाद तीनों के शव को डिमरापाल मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

आरोपी की तलाश जारी

घटना की सूचना तीनों के परिजनों को दी गई दोपहर में पीएम के बाद तीनों के शव को परिजनों को सौंप दिया गया। एसडीओपी केशलूर लक्ष्मण सिंह पोटाई ने बताया कि मामला दर्ज कर एक्सीडेंट के बाद फरार हुए वाहन व चालक की पुलिस तलाश कर रही है। वाहन की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी फूटेज खंगाला जा रहा है।

गीदम, दंतेवाड़ा व बचेली के थे मृतक

पुलिस के मुताबिक तीनों मृतक दंतेवाड़ा जिले के गीदम, दंतेवाड़ा व बचेली के रहने वाले थे। मेकेनिकल में आईटीआई करने के बाद दो दोस्त दिव्यांश कारकी व तेजेन्द्र ठाकुर मारूती शोरूम में मेकेनिक के पद पर कार्य कर रहे थे तथा शोरूम के करीब ही किराए के मकान में रहते थे। शुक्रवार को भी दोनों काम के बाद शोरूम से निकले और अपने साथी तुषार शर्मा के बाईक से खाना खाने केशलूर की ओर गए थे। वापसी में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मोके पर ही मौत हो गई।

ये हैं नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी गाड़ियां, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। गाड़ियां ज्यादातर लोगों के लिए महज यात्रा का साधन होती हैं, लेकिन कुछ लोग इन्हें संग्रहित करने का शौक रखते हैं। ऐसे लोगों को पुरानी या दुर्लभ गाड़ियां खरीदना पसंद होता है और वे इनके लिए करोड़ों की कीमत चुकाने से भी पीछे नहीं हटते हैं। आइए नीलामी में बिकने वाली 5 सबसे महंगी गाड़ियों की सूची पर नजर डालते हैं। इन सभी गाड़ियों की कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे।

1955 मर्सिडीज बेंज 300 एसएलआर उहलेनहॉट कूपे

1955 मर्सिडीज बेंज 300 **SLR** उहलेनहॉट कूपे नीलामी में बिकने वाली दुनिया की सबसे महंगी गाड़ी है। इस गाड़ी के केवल 2 मॉडल बनाए गए थे, जिनका नाम इसके डिजाइनर रुडोल्फ उहलेनहॉट के नाम पर रखा गया था। एक को मर्सिडीज के कॉर्पोरेट संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है और दूसरे मॉडल को 2022 में नीलामी किया गया था। इसकी कीमत 12 अरब रुपये से अधिक लगी थी। इसके जरिए फैंगियो और मॉस जैसे ड्राइवरों ने 5 रेस जीती थीं।

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ 3413 जीटी

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ का 3413 जीटी मॉडल इस सूची में चौथा स्थान रखता है। इस गाड़ी को 2018 में आरएम सोथबी नामक नीलामी घर ने नीलाम किया था। इस गाड़ी का नंबर 23 है और यह फेरारी 250 जीटीओ का तीसरा मॉडल है। नीलामी के दौरान इस गाड़ी को 4.23 अरब रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया था। इसे स्कैग्लिएटी नामक कोचवर्क कंपनी ने अपग्रेड भी किया था।

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ

स्कैग्लिएटी की 1962 फेरारी 250 जीटीओ नीलामी में बिकने वाली तीसरी सबसे महंगी गाड़ी है। यह एकमात्र जीटीओ मॉडल थी, जिसे स्कुडेरिया फेरारी ने अपने स्पोर्ट्स कार प्रयासों के दौरान चलाया था। यह गाड़ी फेरारी क्लब ऑफ अमेरिका के अध्यक्ष के स्वामित्व में थी, जिसे 2023 में नीलाम किया गया। नीलामी में इस कार की कीमत 4.52 अरब रुपये लगी थी। इस गाड़ी का नंबर 7 है और इसने कई रेसरों को जीत दिलाने में योगदान दिया था।

1954 मर्सिडीज डब्ल्यू 196 आर स्ट्रीमलाइनर

अब तक की सबसे महंगी फॉर्मूला 1 कार ही अब तक नीलाम हुई दूसरी सबसे महंगी कार भी है। इस गाड़ी का नाम है मर्सिडीज डब्ल्यू 196 आर स्ट्रीमलाइनर, जिसे फरवरी 2025 में बेचा गया था। इसे 4.82 अरब रुपये की भारी कीमत पर बेचा गया है। यह स्ट्रीमलाइनर बेचा जाने वाला पहला और बिक्री के लिए जाने वाला दूसरा डब्ल्यू 196 आर मॉडल था। इस गाड़ी को इंडियानापोलिस मोटर स्पीडवे संग्रहालय में लगभग 60 सालों तक प्रदर्शित किया गया था।

दो हॉट एयर बैलून के बीच बंधी रस्सी पर चले एथलीट, बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कहा जाता है कि जीवन में नाम कमाने के लिए कुछ बड़ा करके दिखाना पड़ता है। जर्मनी के 2 साहसी एथलीट ने इस कहावत को सच कर दिखाया है। इन दोनों ने अपने हैरतअंगेज कारनामे के जरिए उन उचाईयों को छू कर दिखाया, जिन तक पहुंच पाना असंभव होता है। दरअसल, दोनों ने आसमान में उड़ते 2 हॉट एयर बैलून के बीच बंधी रस्सी पर चलकर नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया है।

पिछले साल बनाया गया था यह रिकॉर्ड

इन एथलीट का नाम फ्रीडी कुह्न और लुकास इर्मलर है, जो पहले भी कई विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। उन्होंने अब तक की सबसे ऊंची स्लैकलाइन वॉक करके गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया है।

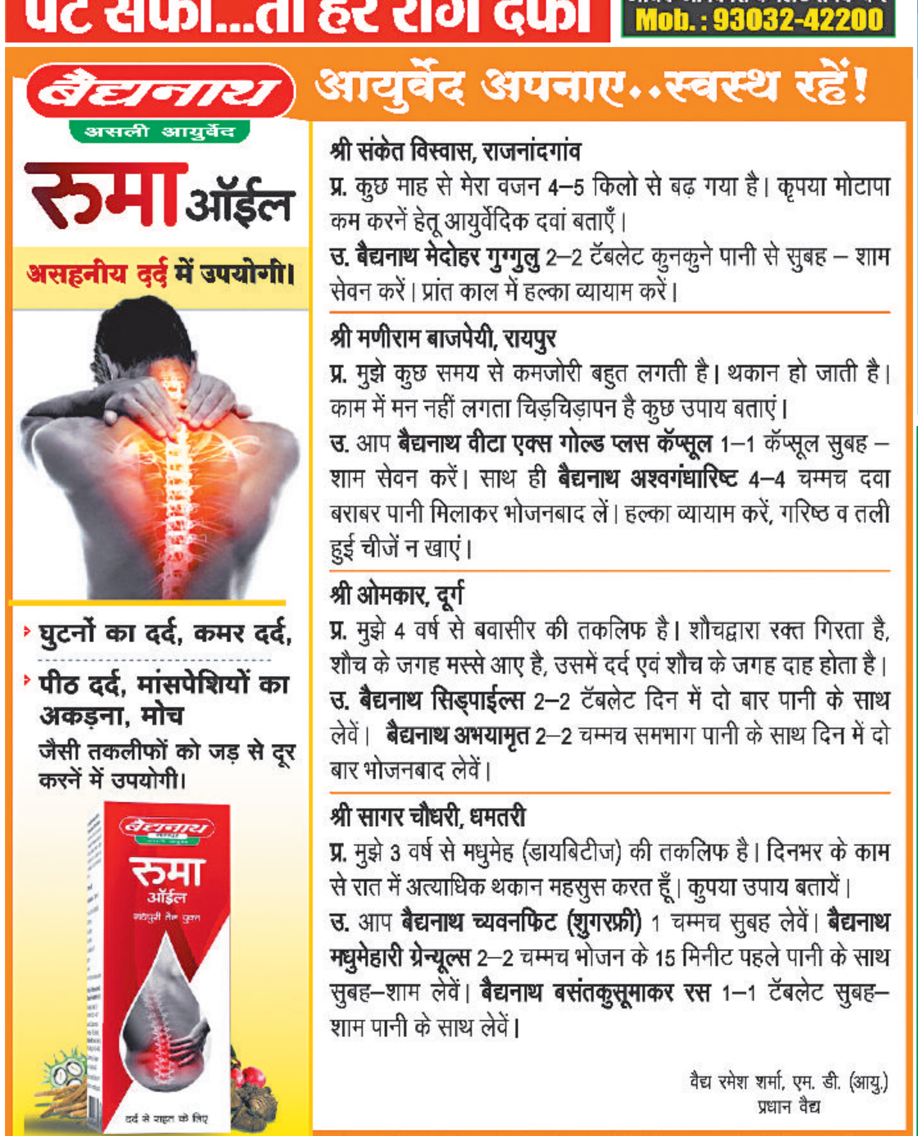

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com